दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्ष: 30 | अंक: 227 | भोपाल, सोमवार 1 सितंबर 2025 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

लखनऊ में अवैध पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, बिल्डिंग उड़ी

मालिक-पत्नी समेत 4 लोगों की मौत, 3 घर ढहे

एजेंसी | लखनऊ

लखनऊ में अवैध पटाखा फैक्ट्री में रविवार सुबह धमाका हो गया। धमाके के साथ पूरी बिल्डिंग जमींदोज हो गई। आसपास के 2-3 मकान भी ढह गए। धमाके की आवाज करीब 2 किमी दूर तक सुनाई दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे में फैक्ट्री मालिक, उसकी पत्नी समेत 4 की मौत हो गई है। हालांकि, पुलिस ने 2 मौत की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि कई लोग मलबे के नीचे दब गए। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। डीएम-जॉइंट सीपी मौके पर पहुंच गए। पुलिस टीमें मलबे में दबे लोगों का रेस्क्यू कर रही हैं। धमाका इतना भीषण था कि इससे करीब 10 लोग घायल हुए हैं। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल है। पुलिस के पहुंचने से पहले ही घायलों को स्थानीय लोग अस्पताल ले गए। बाराबंकी से भी फायर ब्रिगेड की टीमें पहुंच गई। हादसा जिला मुख्यालय से 20 किमी दूर गुडंबा थाना क्षेत्र के बेहटा गांव में हुआ। फॉरेंसिक टीम मौके से सैंपल कलेक्ट कर रही।

पटाखे बनाते समय विस्फोट हुआ

फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र किए हैं। टीम के सदस्य अजय कुमार राय ने बताया- अब तक पटाखे बनाने के सामान ही मिले हैं। धमाके की वजह प्रथमदृष्टया पटाखे बनाते समय विस्फोट होने की सामने आ रही है।

भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश में युद्ध कौशल 3.0 बड़ा युद्ध अभ्यास किया

नई दिल्ली। जहां एक ओर चीन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की और दोनों देशों के मतभेदों को खत्म करने की कोशिश की हैं वहीं, दूसरी और भारत दुनिया को दिखा रहा हैं कि वह अपनी भूमि के साथ एक इंच का भी समझौता नहीं करेगा।

सेना ने दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया

पुंछ। जम्मू-कश्मीर में पुंछ के मंडी सेक्टर में सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से सुरक्षाबलों ने एक एके-47 और एक हैंड ग्रेनेड बरामद किया है। पुंछ पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन शुरु किया है। पुलिस ने बताया कि इस दौरान पुलिस ने छापेमारी भी की। इसमें एक घर पर छापा मारा, यहां से घर के मालिक स्थानीय निवासी तारिक शेख और उसके साथी चैंबर गांव निवासी रियाज अहमद को हिरासत में लिया गया है।

इथेनॉल मिक्स पेट्रोल खरीदने को लेकर वाहन मालिक परेशान, सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला; आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने की योजना अब विवादों में घिर गई है। सुप्रीम कोर्ट में दायर एक जनहित याचिका के जरिए यह मुद्दा अब देश की सबसे बड़ी अदालत तक पहुंच गया है। इस याचिका पर सुनवाई 1 सितंबर को प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ करेगी। वकील अक्षय मल्होत्रा द्वारा दायर इस याचिका में कहा गया है कि देश के लाखों वाहन मालिकों को ऐसा पेट्रोल खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है जो उनके वाहनों के अनुकूल नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

वाहन अगर सार्वजनिक स्थान का इस्तेमाल नहीं कर रहा तो उस पर टैक्स नहीं लगे

एजेंसी | नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि यदि कोई वाहन सार्वजनिक स्थान पर उपयोग में नहीं आता है, तो उसके मालिक पर उस अवधि के लिए मोटर वाहन कर का बोझ नहीं डाला जाना चाहिए। जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के दिसंबर 2024 के फैसले को चुनौती देने वाली एक अपील पर अपना फैसला सुनाया। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, मोटर वाहन कर प्रतिपूरक प्रकृति का होता है। मोटर वाहन कर लगाने का औचित्य यह है कि जो व्यक्ति सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, जैसे सड़क, राजमार्ग आदि का इस्तेमाल करता है तो उसे इसका भुगतान करना होगा। शीर्ष न्यायालय ने 29 अगस्त को दिए अपने फैसले में कहा, अगर किसी मोटर वाहन का उपयोग सार्वजनिक स्थान पर नहीं किया जाता है तो संबंधित व्यक्ति सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का लाभ नहीं ले रहा है। इसलिए उस पर ऐसी अवधि के लिए मोटर वाहन कर का बोझ नहीं डाला जाना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि आंध्र प्रदेश मोटर वाहन कराधान अधिनियम, 1963 की धारा 3 के तहत कर लगाने का प्रावधान है।

उज्जैन में वीवीआईपी ही नहीं बैठेंगे आगे!

नई व्यवस्था प्रथम आओ प्रथम पाओ

नगर प्रतिनिधि | उज्जैन

धर्मनगरी उज्जैन में स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकाल मंदिर भस्म आरती के दौरान दर्शन व्यवस्था में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। अब भक्तों को भस्म आरती बुकिंग के साथ ही ये भी याद रखना होगा कि, उन्हें आरती के दौरान कहां बैठना है। मंदिर समिति जल्द ही श्रद्धालुओं को वर्चअल अनुमति के साथ नंबर जारी करने की व्यवस्था करेगी। अभी भक्तों को ये पता नहीं होता है कि उन्हें कहां बैठाया जाएगा। नई व्यवस्था को लेकर तैयारी जारी है। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में प्रतिदिन तड़के चार बजे भगवान महाकाल की भस्म आरती होती है। मंदिर समिति द्वारा प्रतिदिन 1700 भक्तों को भस्म आरती दर्शन की अनुमति दी जाती है। भस्म आरती दर्शन के लिए भक्तों को नंदी, गणेश व कार्तिकेय मंडपम में बैठाया जाता है। भक्तों को यह नहीं पता होता है कि उन्हें कहां बैठाया जाएगा। प्रचलित व्यवस्था अनेक अवसरों पर विवाद का कारण बनती है। उज्जैन कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बताया कि भस्म आरती दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्थान तय करने की व्यवस्था बना रहे हैं। दर्शन बुकिंग के साथ ही श्रद्धालुओं को यह भी पता लग जाएगा कि उन्हें कहां बैठना है। व्यवस्था को लेकर तैयारियां जारी हैं। मंदिर में अन्य तकनीकी नवाचार भी कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के सामने उठाया आतंकवाद का मुद्दा

आतंकवाद के खिलाफ मांगा चीन का साथ

ऑपरेशन सिंदूर जैसी घटना फिर न हो

जिनपिंग के साथ पीएम मोदी की द्विपक्षीय बैठक पर पूर्व भारतीय राजनयिक वीना सीकरी ने कहा- हम जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन, पाकिस्तान की मदद कर रहा था। मीटिंग में इसपर बात हुई कि कुछ ऐसी प्रतिबद्धता होनी चाहिए।

मोदी का चीन दौरा खास क्यों है

पीएम मोदी की यह यात्रा दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और द्विपक्षीय बातचीत को बढ़ावा देने का एक बड़ा मौका साबित हो सकती है। अमेरिका के लीडरशिप वाले ग्लोबल ऑर्डर का एक विकल्प दे सकते हैं।

एजेंसी | तियानजिन

- चीनी राष्ट्रपति को भारत आने का न्योता दिया
- जिनपिंग बोले- ड्रैगन और हाथी एक हों
- व्लादिमिर पुतिन सीईओ समिट के लिए रविवार सुबह चीन पहुंचे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार यानी 31 अगस्त को तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन के नेताओं के शिखर सम्मेलन के अवसर पर पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना यानी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी ने आतंकवाद और उससे उत्पन्न चुनौतियों का मुद्दा उठाया। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, दोनों नेताओं ने अक्तूबर 2024 में कजान में अपनी पिछली बैठक के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक गति और निरंतर प्रगति का स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देश विकास भागीदार हैं, प्रतिद्वंद्वी नहीं। उनके मतभेद विवादों में नहीं बदलने चाहिए। भारत-चीन और उनके 2.8 अरब लोगों के बीच आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता के आधार पर एक स्थिर संबंध और सहयोग दोनों देशों की वृद्धि और विकास के साथ-साथ 21वीं सदी के रुझानों के अनुरूप एक बहुध्रुवीय विश्व और बहुध्रुवीय एशिया के लिए जरूरी है। मोदी शनिवार शाम 2 दिन के जापान दौरे के बाद चीन पहुंचे थे। जून 2020 में हुई गलवान झड़प के बाद भारत-चीन के संबंध खराब हो गए थे। इस यात्रा का मकसद दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को कम करना भी है।

चीन में पीएम मोदी और म्यांमार के सैन्य शासक की द्विपक्षीय बातचीत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन में आज म्यांमार के सैन्य शासक जनरल मिन आंग हलिंग से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अपनी नेबर्स फर्स्ट पॉलीसी, एक्ट ईस्ट और हिंद-प्रशांत नीतियों के तहत म्यांमार के साथ अपने संबंधों को महत्व देता है। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। इसके साथ ही विकास साझेदारी, रक्षा एवं सुरक्षा, सीमा प्रबंधन और सीमा व्यापार के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

कैलाश मानसरोवर यात्रा, सीधी उड़ान और वीजा सुविधा

दोनों नेताओं ने कैलाश मानसरोवर यात्रा और पर्यटक वीजा की बहाली के आधार पर सीधी उड़ानों और वीजा सुविधा के माध्यम से लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता पर ध्यान दिया। आर्थिक और व्यापारिक संबंधों के संदर्भ में उन्होंने विश्व व्यापार को स्थिर करने में अपनी दोनों अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका को मान्यता दी।

सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने पर संतोष जताया

प्रधानमंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द के महत्व पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने पिछले वर्ष सफल सैन्य वापसी और उसके बाद से सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखने पर संतोष जताया। उन्होंने अपने समग्र द्विपक्षीय संबंधों और दोनों देशों के लोगों के दीर्घकालिक हितों के राजनीतिक परिप्रेक्ष्य से सीमा विवाद के निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान के लिए प्रतिबद्धता जताई।

'संबंधों को किसी तीसरे देश के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए'

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और चीन दोनों ही रणनीतिक स्वायत्तता चाहते हैं। उनके संबंधों को किसी तीसरे देश के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों और चुनौतियों जैसे- आतंकवाद और बहुपक्षीय मंचों पर निष्पक्ष व्यापार पर साझा आधार का विस्तार करने आवश्यकता पर सहमति जताई।

शी को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए भारत आमंत्रित किया

प्रधानमंत्री ने एससीओ की चीन की अध्यक्षता और तियानजिन में शिखर सम्मेलन के लिए समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने राष्ट्रपति शी को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी आमंत्रित किया, जिसकी मेजबानी भारत 2026 में करेगा।

मुख्यमंत्री ने ग्रीन हाइड्रोजन निर्माण इकाई का किया भूमि-पूजन

बीहड़ अब बन रहे विकास और प्रगति की नई पहचान

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मुरैना के पिपरसेवा में हो रहा हाईड्रोजन निर्माण इकाई का भूमिपूजन नई औद्योगिक क्रांति, नई ऊर्जा क्रांति और नए मध्यप्रदेश की नींव है। मुरैना की ऐतिहासिक धरती पर स्थापित हो रही यह इकाई ग्वालियर-चंबल क्षेत्र की नई विकास यात्रा का प्रतीक बनेगी। चंबल की भूमि उपजाऊ और कमाऊ होने के साथ ही टिकाऊ भी है। मुरैना जो कभी बीहड़ों के कारण जाना जाता था, आज विकास और प्रगति की नई पहचान बना रहा है। मुरैना अब सिर्फ कृषि प्रधान जिला नहीं रहा बल्कि औद्योगिक हब के रूप में भी उभर रहा है। मुरैना की गजक ग्लोबली ट्रेंड हो रही है। देश की संसद के पुराने भवन का डिजाइन भी मुरैना के मितावली मंदिर से लिया गया था।

- औद्योगिक और ऊर्जा क्रांति का आधार बनेगी नई हाइड्रोजन निर्माण इकाई
- मुरैना उभर रहा है औद्योगिक हब के रूप में
- मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों से किया संवाद और वितरित किए आशय-पत्र
- ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में अप्रैल 2024 से अब तक 220 औद्योगिक इकाइयों को भूमि हुई आवंटित, 21 हजार से अधिक युवाओं को मिलेगा रोजगार

भारत 21वीं सदी की वैश्विक विकास यात्रा का इंजन बना

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत पूरी दुनिया में एक नए आत्मविश्वास और क्षमता के साथ उभर रहा है। जी20 की सफल अध्यक्षता हो, इंडिया-मीडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमी कॉरिडोर जैसी ऐतिहासिक पहल हो या यूनाईटेड किंगडम के साथ हुआ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, हर जगह भारत केवल सहभागी नहीं बल्कि मार्गदर्शक राष्ट्र के रूप में खड़ा है। वर्तमान में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और हम पीएम मोदी के नेतृत्व में तेजी से तीसरे स्थान की ओर अग्रसर हैं।

सरकार कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने है प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहाकि राज्य सरकार किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य दिलाने और कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। शीघ्र ही प्रदेश के किसानों के लिए बड़ा आयोजन होने वाला है। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और दुग्ध उत्पादों की राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर ब्रांडिंग और मार्केटिंग केलिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र में गढ़ रहा है नए कीर्तिमान

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि मुरैना के विकास के लिए आज ऐतिहासिक दिन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र में नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। ग्वालियर में रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में 3500 करोड़ रुपए का निवेश प्राप्त हुआ है। चंबल क्षेत्र में लेदर पार्क की स्थापना हुई है, जिसके लिए उद्योग समूहों द्वारा रुचि प्रकट की जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में मध्यप्रदेश में हो रहे स्पोर्ट्स रिवोल्यूशन का किया उल्लेख

शहडोल के फुटबॉल खिलाड़ियों को जर्मनी में मिलेगा प्रशिक्षण

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया का ध्यान भारत की ओर है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जर्मनी के फुटबॉल कोच के शहडोल जिले के फुटबॉल खिलाड़ियों से जुड़ने का प्रसंग मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों से साझा किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बताया कि एक पॉडकास्ट में उन्होंने मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में फुटबॉल के क्रेज से जुड़े एक गांव का वर्णन किया था। यही बात जर्मनी के फुटबॉल खिलाड़ी और कोच श्री डिडमार बायर डार्फड ने सुनी। शहडोल के युवा फुटबॉल खिलाड़ियों की रूचि और प्रतिभा ने फुटबॉल कोच को प्रभावित किया। किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि शहडोल के प्रतिभाशाली खिलाड़ी दूसरे देशों को भी आकर्षित करेंगे।

- खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल में मध्यप्रदेश द्वारा सबसे अधिक मेडल जीतने पर दी बधाई
- प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा पॉडकास्ट में शहडोल के खिलाड़ियों का उल्लेख करने से जर्मनी के फुटबॉल कोच हुए आकर्षित
- प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशवासियों को स्वदेशी अपनाने के लिए किया प्रेरित
- एक ही रास्ता आत्मनिर्भर भारत, एक ही लक्ष्य विकसित भारत

मुख्यमंत्री ने मुरैना जिले के पिपरसेवा में किया मन की बात कार्यक्रम का श्रवण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश की खेल उपलब्धियों को मन की बात कार्यक्रम में दो बार उल्लेख किया। उन्होंने देश के पहले खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल में मध्यप्रदेश द्वारा सबसे अधिक मेडल जीतने पर बधाई दी। साथ ही शहडोल जिले में फुटबॉल के क्रेज और उसके प्रति जर्मनी के कोच द्वारा रूचि लेने और खिलाड़ियों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की भावना का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का मुरैना जिले के पिपरसेवा में श्रवण किया।

विचारपुर के चार खिलाड़ी और एक कोच जर्मनी में लेंगे प्रशिक्षण

उल्लेखनीय है कि मिनी ब्राजील के नाम से प्रसिद्ध शहडोल के ग्राम विचारपुर की गूंज पूरे विश्व में सुनाई दे रही है। यह गौरव विचारपुर के फुटबॉल खिलाड़ियों की लगन, समर्पण और कड़ी मेहनत का नतीजा है। फुटबॉल कोच श्री रईस अहमद ने बताया कि आगामी दिनों में 2 बालक फुटबॉल खिलाड़ी, 2 बालिका फुटबॉल खिलाड़ी एवं 1 फुटबॉल कोच जर्मनी अकेडमी में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि जर्मनी में होने वाला यह प्रशिक्षण खिलाड़ियों और कोच को न केवल आधुनिक तकनीकी ज्ञान प्रदान करेगा।

गणेश उत्सव पर स्वदेशी अपनाने का दिया संदेश

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को गणेश उत्सव पर स्वदेशी अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि एक ही मंत्र वोकल फॉर लोकल, एक ही रास्ता आत्मनिर्भर भारत, एक ही लक्ष्य विकसित भारत के भाव को लेकर हमें आगे चलना है।

श्रीनगर की डल झील में हुआ देश का पहला वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देश में पहला खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल श्रीनगर की डल झील में हुआ। जहाँ महिला एथलेटिस भी पीछे नहीं रही उनकी भागीदारी भी लगभग पुरुषों के बराबर थी। मैं उन सभी खिलाड़ियों को बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने इसमें भाग लिया। विशेष बधाई मध्यप्रदेश को, जिसने सबसे ज्यादा मेडल जीते। उसके बाद हरियाणा और उड़ीसा का स्थान रहा।

वॉटर स्पोर्ट्स में स्वर्ण पदक विजेता श्री मोहसिन ने किया भोपाल का उल्लेख

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि खेल एक भारत श्रेष्ठ भारत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले श्री मोहसिन से चर्चा की। एथलीट मोहसिन ने बताया कि वॉटर स्पोर्ट्स के सिलसिले में वे भोपाल भी आए हैं।

संपादकीय

भारत की रक्षा प्रणाली में मजबूती का जुड़ा नया अध्याय

भारत की नव-विकसित एकीकृत हवाई रक्षा हथियार प्रणाली बहुस्तरीय प्रणालियों का एक ऐसा स्वदेशी तंत्र है, जो दुश्मन के लड़ाकू विमानों, ड्रोन और मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही नष्ट करने में सक्षम है। आज के दौर में तकनीकी विकास के साथ युद्ध के तरीके भी बदल गए हैं। अब पारंपरिक युद्ध के बजाय तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है। दुश्मन देश की जमीनी सीमा पार किए बिना ही हवाई हमलों को बखूबी अंजाम दिया जाता है। ड्रोन, स्वायत्त प्रणाली और हाइपरसोनिक हथियारों के उदय ने युद्ध के पारंपरिक सिद्धांतों को बदल दिया है। ऐसे में कोई भी देश तभी अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है, जब उसके पास मजबूत वायु रक्षा प्रणाली हो। इसी के मद्देनजर भारत ने हाल में एकीकृत हवाई रक्षा हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण कर इस दिशा में एक और सफलता हासिल कर ली है। 'आपरेशन सिंदूर' में पाकिस्तान को शिकस्त देने के करीब तीन माह बाद भारत की रक्षा प्रणाली में मजबूती का यह एक नया अध्याय जुड़ गया है। ड्रोन और मिसाइलों के हमलों को नाकाम करने की अपनी क्षमता को और ज्यादा सुदृढ़ एवं विश्वसनीय बनाने की ओर एक बड़ी और अहम कामयाबी है। पारंपरिक युद्ध की तुलना में आज के युद्ध में तकनीक का महत्त्व सर्वोपरि है। अब लड़ाई जमीन पर नहीं, बल्कि आसमान से लड़ी जा रही है। आधुनिक हाइपरसोनिक और क्रूज मिसाइलें हजारों किलोमीटर दूर अपने लक्ष्य को भेद सकती हैं। ड्रोन का इस्तेमाल अब रक्षा प्रणालियों और सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा रहा है, जैसा रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य-पूर्व के संघर्षों में देखा गया है। जाहिर है, इस तरह के खतरों से निपटने के लिए भारत की रक्षा तैयारियों को तेज करना आवश्यक है। भारत की नव-विकसित एकीकृत हवाई रक्षा हथियार प्रणाली बहुस्तरीय प्रणालियों का एक ऐसा स्वदेशी तंत्र है, जो दुश्मन के लड़ाकू विमानों, ड्रोन और मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही नष्ट करने में सक्षम है। इसमें हमले का संकेत मिलने पर तुरंत जवाब देने और सतह से हवा में मार करने वाली स्वदेशी मिसाइल प्रणाली तथा उच्च शक्ति वाली लेजर आधारित प्रणाली शामिल है, जो दुश्मन के हौसलों को पस्त कर देगी। दरअसल, इस रक्षा प्रणाली को मिशन 'सुदर्शन चक्र' के तहत विकसित किया गया है, जिसका मकसद वर्ष 2035 तक भारत को एकीकृत वायु रक्षा प्रणाली में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना है।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव के बीच हुई टेलीफोन वार्ता ने भारत-उज्बेकिस्तान संबंधों में नई ऊर्जा भर दी है। इस वार्ता को प्रधानमंत्री मोदी ने फलदायी बताते हुए कहा कि द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की गई और रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने के संकल्प को दोहराया गया। यह घटनाक्रम केवल एक औपचारिक बातचीत भर नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी सामरिक और आर्थिक निहितार्थ हैं, जो भारत, मध्य एशिया और वैश्विक भू-राजनीति को प्रभावित कर सकते हैं।

उज्बेकिस्तान को करीब लाकर मोदी ने सारा खेल पलट दिया

(नीरज कुमार दुबे)

उज्बेकिस्तान मध्य एशिया के केंद्र में स्थित है और चारों ओर से भूमि से घिरा है। इसकी सीमाएँ अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान, कजाखिस्तान और तुर्कमेनिस्तान से मिलती हैं। उज्बेकिस्तान, भारत को मध्य एशिया, रूस और यूरोप तक जोड़ने वाले एक महत्वपूर्ण 'कनेक्टिविटी नोड' के रूप में देखा जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उज्बेकिस्तान के साथ संबंध प्रगाढ़ करना केवल औपचारिक कूटनीति का हिस्सा नहीं, बल्कि एक गहरी रणनीतिक चाल है। मध्य एशिया के इस प्रमुख देश के साथ निकटता बढ़ाकर भारत ने एक साथ कई मोर्चों पर लाभ उठाने की स्थिति बना ली है। सबसे पहले, उज्बेकिस्तान भारत के मध्य एशिया संपर्क का केंद्रीय स्तंभ बन सकता है। अफगानिस्तान की अस्थिरता और पाकिस्तान के अवरोध के कारण भारत के लिए मध्य एशिया तक सीधा व्यापारिक और ऊर्जा मार्ग पाना मुश्किल रहा है। उज्बेकिस्तान के साथ मजबूत रिश्ते भारत को ईरान के चाबहार बंदरगाह और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे के जरिये नए रास्ते खोलने का मौका देते हैं।

दूसरा, यह कदम चीन की "Belt and Road Initiative" के दबदबे को संतुलित करने की कोशिश भी है। उज्बेकिस्तान, जो अब तक चीन और रूस के प्रभाव में रहा है, भारत के साथ साझेदारी से एक वैकल्पिक कूटनीतिक और आर्थिक सहारा पाएगा। तीसरा, आतंकवाद-रोधी सहयोग में भी यह रिश्ते अहम हैं। अफगानिस्तान के नजदीकी होने के कारण उज्बेकिस्तान क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरण में महत्वपूर्ण है। भारत के साथ मिलकर यह देश चरमपंथी नेटवर्क को कमजोर करने और स्थिरता लाने में योगदान दे सकता है। चौथा, यह पहल भारत को (शंघाई सहयोग संगठन) जैसे बहुपक्षीय मंचों पर और प्रभावशाली बनाती है। उज्बेकिस्तान की मेजबानी और समर्थन के साथ भारत मध्य एशिया में राजनीतिक-सुरक्षा विमर्श को अपनी प्राथमिकताओं के अनुरूप ढाल सकता है।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शवकत मिर्जियोयेव के बीच हुई टेलीफोन वार्ता ने भारत-उज्बेकिस्तान संबंधों में नई ऊर्जा भर दी है। इस वार्ता को प्रधानमंत्री मोदी ने फलदायी बताते हुए कहा कि द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की गई और रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने के संकल्प को दोहराया गया। यह घटनाक्रम केवल एक

औपचारिक बातचीत भर नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी सामरिक और आर्थिक निहितार्थ हैं, जो भारत, मध्य एशिया और वैश्विक भू-राजनीति को प्रभावित कर सकते हैं।

हम आपको बता दें कि उज्बेकिस्तान मध्य एशिया के केंद्र में स्थित है और चारों ओर से भूमि से घिरा है। इसकी सीमाएँ अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान, कजाखिस्तान और तुर्कमेनिस्तान से मिलती हैं। उज्बेकिस्तान, भारत को मध्य एशिया, रूस और यूरोप तक जोड़ने वाले एक महत्वपूर्ण 'कनेक्टिविटी नोड' के रूप में देखा जाता है। इसके अलावा, उज्बेकिस्तान की अफगानिस्तान से सीमा होने के कारण भारत के लिए आतंकवाद-निरोधी सहयोग, क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा नीति में यह अहम भूमिका निभा सकता है। साथ ही उज्बेकिस्तान, शंघाई सहयोग संगठन का सदस्य है। यहां भारत की मजबूत उपस्थिति चीन और रूस के साथ संतुलन साधने में मदद कर सकती है।

इसके अलावा, उज्बेकिस्तान प्राकृतिक संसाधनों में समृद्ध है– विशेषकर सोना, यूरेनियम, गैस और कपास। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए विविधीकरण चाहता है। उज्बेकिस्तान के साथ गैस और यूरेनियम आपूर्ति के समझौते भारत की ऊर्जा सुरक्षा में सहायक हो सकते हैं। इसके अलावा, औषधि, आईटी, कपड़ा और ऑटोमोबाइल सेक्टर में उज्बेकिस्तान एक उभरता हुआ बाजार है, जहाँ भारतीय कंपनियों की हिस्सेदारी बढ़ सकती है। साथ ही चाबहार पोर्ट और अंतर्राष्ट्रीय नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर के जरिए उज्बेकिस्तान को जोड़ना भारत के व्यापारिक हितों को तेज़ी से आगे बढ़ा सकता है।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत और उज्बेकिस्तान के बीच रक्षा सहयोग कई स्तरों पर हो रहा है– संयुक्त सैन्य अभ्यास, आतंकवाद-रोधी प्रशिक्षण, और खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान। इसके अलावा, अफगानिस्तान में अस्थिरता और उग्रवादी नेटवर्क के चलते दोनों देशों का सहयोग क्षेत्रीय शांति के लिए अहम है। साथ ही उज्बेकिस्तान भारतीय रक्षा तकनीक और प्रशिक्षण का लाभ उठा सकता है, जबकि भारत को मध्य एशिया में रणनीतिक पहुँच मिलती है।

देखा जाये तो भारत-उज्बेकिस्तान के रिश्ते गहरे होने से अंतरराष्ट्रीय समीकरणों में कई बदलाव संभव हैं। जैसे- मध्य एशिया में भारत की पकड़ मजबूत होगी। हम आपको बता दें कि यह क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से 'ग्रेट गेम' का केंद्र रहा है, जहां रूस, चीन, अमेरिका और अब तुर्की प्रभाव जमाने की कोशिश करते रहे हैं। इसके अलावा, उज्बेकिस्तान पर चीन का निवेश और आर्थिक प्रभाव बढ़ रहा है। भारत के साथ मजबूत साझेदारी इस प्रभाव को संतुलित कर सकती है। साथ ही उज्बेकिस्तान जैसे मुस्लिम-बहुल, लेकिन धर्मनिरपेक्ष झुकाव वाले देश के साथ करीबी रिश्ते भारत की वैश्विक छवि को मजबूती देते हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत और उज्बेकिस्तान का सांस्कृतिक रिश्ता बहुत पुराना है। समरकंद और बुखारा जैसे ऐतिहासिक शहर भारत के इतिहास में गहरे जुड़े हैं, चाहे वह बाबर का आगमन हो या सूफी परंपरा। साथ ही उज्बेक छात्रों के लिए भारतीय विश्वविद्यालय, विशेषकर मेडिकल और तकनीकी शिक्षा, एक आकर्षण हैं। इसके अलावा, बॉलीवुड फिल्मों की लोकप्रियता मध्य एशिया में भारत की सॉफ्ट पावर को और बढ़ाती है।

बहरहाल, भारत और उज्बेकिस्तान के संबंध केवल दो देशों के बीच व्यापार या रक्षा सहयोग तक सीमित नहीं हैं। यह साझेदारी मध्य एशिया की स्थिरता, भारत की ऊर्जा सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी रणनीति और वैश्विक शक्ति संतुलन पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। सामरिक दृष्टि से, उज्बेकिस्तान भारत के लिए वह 'भू-राजनीतिक चौराहा' है, जहां से दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और यूरोप को जोड़ने वाले कई रास्ते निकलते हैं। यदि भारत इन रिश्तों को गहराई से विकसित करता है, तो यह न केवल द्विपक्षीय लाभ देगा, बल्कि एक नए क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन की नींव भी रख सकता है, जिसमें भारत एक निर्णायक भूमिका निभाएगा।

ट्रंप की टैरिफ-नीति का उचित जवाब

दीक्षा वत्स

वैश्विक मंच पर एक नया तूफान मच गया है, जिसके केंद्र में हैं- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। उनकी आक्रामक व्यापार नीतियों ने विश्व-व्यवस्था को झकझोर दिया है। 26 अगस्त को सोशल मीडिया के जरिये दी गई एक सख्त चेतावनी में उन्होंने उन देशों को कड़े परिणाम भुगतने की धमकी दी, जो अमेरिकी टेक कंपनियों पर डिजिटल सर्विस टैक्स (डीएसटी) या अन्य प्रतिबंधात्मक नियम लागू करते हैं। भारत और ब्राजील जैसी उभरती आर्थिक ताकतों को वह विशेष तौर पर निशाना बना रहे हैं। भारत पर 27 अगस्त से 50 प्रतिशत का सीमा-शुल्क इसकी तस्दीक करता है।

ट्रंप अपनी 'अमेरिका प्रथम' नीति के अनुरूप व्यवहार कर रहे हैं, जिसके जवाब में भारतीय प्रधानमंत्री ने उचित ही 'आत्मनिर्भर भारत' को आगे बढ़ाने की बात कही है। यह एक प्रेरणादायक नीति है। इससे न केवल भारत आर्थिक रूप से मजबूत बनेगा, बल्कि विश्व व्यापार में एक सशक्त और सम्मानित शक्ति के रूप में स्थापित होगा। ट्रंप के भारी-भरकम टैरिफ के कारण भारत ने वैकल्पिक बाजारों की खोज तेज कर दी है और ब्रिक्स जैसे मंचों के माध्यम से अपनी स्थिति को और सुदृढ़ कर लिया है। यह बताता है कि भारत न केवल दबाव का जवाब देने में सक्षम है, बल्कि वह वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक निर्णायक ताकत के रूप में भी उभरने की क्षमता रखता है। इतना ही नहीं, चुनौतियों को अवसरों में बदलने की कला में भी माहिर है।

भारत ने डिजिटल सर्विस टैक्स को हटाकर इस बात का प्रमाण दिया है कि वह वैश्विक व्यापार के नियमों का सम्मान करता है और अनावश्यक टकराव से बचने के लिए रचनात्मक कदम उठाने को भी तैयार है। फिर भी, ट्रंप टैरिफ बढ़ाने की नीति अपना रहे हैं। यह एक अन्यायपूर्ण फैसला है। यह स्थिति भारत-अमेरिका संबंधों में टकराव बढ़ाने के साथ-साथ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और तकनीकी नवाचार पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। ऐसी स्थिति में आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी का दांव काफी सटीक है। यह बताता है कि भारत हर चुनौतियों से टकराने का माद्दा रखता है और अपने हितों की रक्षा करना जानता है। ट्रंप की एकतरफा नीतियों के बावजूद भारत का जवाब संतुलित, रणनीतिक व प्रगतिशील है। यह समय की मांग है कि विश्व के अन्य देश भी अमेरिकी राष्ट्रपति की मनमानी के खिलाफ डटकर खड़े हो जाएं और भारत जैसे देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर एक समावेशी, पारदर्शी और समृद्ध वैश्विक भविष्य की नींव रखे। बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था ही दुनिया का भविष्य है। ट्रंप अपनी नीतियों से इसे रोकना चाहते हैं।

यह सही है कि कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक व्यवस्था में भारत की अहमियत बढ़ी है, लेकिन जिस तरह से अभी 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्वदेशी' पर जोर दिया जा रहा है, वह तभी साकार हो सकता है, जब इसकी चुनौतियों का हम जल्द समाधान करने में सफल होंगे। बेशक, केंद्र सरकार इन मुश्किलों को समझती है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के अपने भाषण से इसका जिक्र भी किया था, लेकिन जिस तत्परता की जरूरत है, उसका अभाव दिख रहा है, जबकि अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि ट्रंप की टैरिफ-जंग से हम बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं।

आंकड़े बताते हैं कि अभी देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान केवल 12 प्रतिशत है, और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में उसकी हिस्सेदारी सिर्फ 2.8 प्रतिशत। इसकी तुलना में चीन कहीं ज्यादा 28.8 प्रतिशत सामान दुनिया के लिए बना रहा है। हालांकि, सरकार बार-बार कहती रही है, और खासतौर से वित्त मंत्री ने इसका जिक्र किया था कि हम अगले दो दशकों में विनिर्माण क्षेत्र को जीडीपी के 23 प्रतिशत के बराबर करने को संकल्पित हैं, लेकिन इस लक्ष्य को पाना इतना आसान नहीं है। जब तक उद्यमियों को जरूरी राहत नहीं दी जाएगी और बाजार में मांग की स्थिति पैदा नहीं की जाएगी, तब तक विनिर्माण क्षेत्र को ऊपर उठाना काफी मुश्किल है। भारत निस्संदेह वैश्विक जरूरतों को पूरा करने की क्षमता रखता है और कई इलेक्ट्रॉनिक व ऑटो उत्पाद देश में बनने भी लगे हैं, पर निर्माण के साथ-साथ जरूरी है कि यहां के विशाल बाजार का भी पूरा लाभ उठाया जाए और लोगों में इतनी क्षमता पैदा की जाए कि वे उपभोग में कटौती न करें।

आत्मनिर्भर भारत की एक बड़ी चुनौती उत्पादों की घटिया गुणवत्ता भी है, जिस पर चिंता खुद प्रधानमंत्री ने जाहिर की है। उन्होंने 15 अगस्त के भाषण में ठीक याद दिलाया है कि दुनिया गुणवत्ता की कद्र करती है और वैश्विक बाजार में भारत को यदि अपनी छवि चमकानी है, तो उसे उच्च गुणवत्ता के उत्पाद बनाने ही होंगे। इसमें केंद्र व राज्य सरकारों को भी कुछ हद तक समर्थन देना होगा। वैसे, अच्छा तो यही होगा कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। इससे न सिर्फ सरकारों पर दबाव कम पड़ेगा, बल्कि उद्यमियों को भी पूंजी जुटाने में सहूलियत होगी। इसी तरह, मजबूत बुनियादी ढांचे के अभाव से भी हमें लड़ना होगा। अगर हम इन चुनौतियों का समाधान निकाल सकें, तो यकीनन, दुनिया हमारी ताकत का लोहा मानेगी। विश्व मंच पर भारत का रुतबा और ज्यादा बढ़ जाएगा।

ब्राह्मी लिपि कैसे अस्तित्व में आई? भाषाओं का ये इतिहास है काफी दिलचस्प

(सुधांशु माहेश्वरी)

जब भी हम आवाजों के जरिए कम्युनिकेट करते हैं, इसे स्पीच कहा जाता है। जब भी हम राइटिंग के जरिए कम्युनिकेट करते हैं, इसे स्क्रिप्ट कहा जाता है। इस दुनिया में एक नहीं कई तरह की स्क्रिप्ट हैं। अब क्या वो सारी स्क्रिप्ट इमोजी टाइप में थीं? क्या वो लेटर फॉर्म में थीं? क्या उन्हें हम कॉन्सोनेंट या फिर वोवल माने? यहां लिखने का डायरेक्शन क्या रहता होगा?

बात अगर Mesopotamia के सुमेरिएन्स की करें तो उन्होंने 3300 बीसी में राइटिंग का अविष्कार किया था, तब उन्होंने Cuneiform स्किप्ट का इस्तेमाल किया। इसे मिट्टी की पट्टियों पर कील के आकार के निशान बनाकर लिखा जाता था। Cuneiform स्किप्ट Logographic अंदाज में लिखी जाती थी, इसे आप पिक्टर बेस्ड राइटिंग कह सकते हैं जहां पर तस्वीरों के जरिए बातचीत होती थी। उसके बाद इजिप्ट की Hieroglyphs राइटिंग आई, ये भी Logographic अंदाज में लिखी जाती थी। अब बात चाहे सुमेरिएन्स की करें या फिर Cuneiform स्किप्ट की, ये सब ऊपर से नीचे लिखी जाती थीं। उसके बाद चाइनीस राइटिंग आई, वो भी ऊपर से नीचे लिखते हैं। बाद में जो मिस्र की राइटिंग थी, वो दोनों ही दिशाओं में लिखी जा सकती थी।

क्यूनिफॉर्म लिपि लगभग 2800 बीसी में Syllabary में बदल दी गई थी, इसे शब्दांशीय कहा जाता है। Logographic स्क्रिप्ट काफी सीमित थी, इसी वजह से इसका विस्तार किया गया। आगे चलकर यही क्यूनिफॉर्म लिपि कई दूसरी भाषाओं में इस्तेमाल हुई और फिर Assyria, Babylon और Persia के राजाओं ने भी इसका इस्तेमाल किया। अब इतिहास बताता है कि हड़प्पा ने भी सुमेरिएन्स के साथ व्यापार तो किया लेकिन उनकी क्यूनिफॉर्म लिपि को अपनी संस्कृति के साथ नहीं ढाला। कहा जाता है कि हड़प्पा स्क्रिप्ट भी इमोजी का ही एक सेट होती है, इसे Logographic भी मान सकते हैं, यह अलग बात है कि हर इतिहासकार ऐसा नहीं मानता है। असल में मुहरों पर तो हड़प्पा स्क्रिप्ट को दाएं से बाएं लिखा जाता था। लेकिन जो मुहरों के निशान होते थे, उन्हें बाएं से दाएं पढ़ा गया।

कभी कबार तो स्क्रिप्ट को पहले राइट टू लेफ्ट उकेरा जाता था, फिर इसे लेफ्ट की राइट उकेरा जाने लगा। इस तरह की राइटिंग को Boustrophedon नाम दिया गया।

अब सभी के मन में सवाल आता है कि अल्फाबेट्स और वोवल का अविष्कार किसने किया था? असल में अल्फाबेट्स का अविष्कार 1200 बीसी में Phoenicians ने किया था। लेकिन तब उन्होंने सिर्फ कॉन्सोनेंट का अविष्कार किया था। अब तकनीकी भाषा में सिर्फ कॉन्सोनेंट वाली स्क्रिप्ट को Abjad कहा जाता था। इसके बाद ही हिब्रू और अरामी, और बाद में अरबी और फारसी लिपि का अविष्कार हुआ। ये सभी राइट टू लेफ्ट लिखी जाती थीं।

अमित शाह के बयान को लेकर पूर्व जजों का आपस में ही भिड़ना गजब 'राजनीति' है

राजनीति में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करना, समूहों का टकराना और बयानों की तलवारें चलाना कोई नई बात नहीं है। परंतु हाल के दिनों में यह परंपरा अब न्यायपालिका से जुड़े सेवानिवृत्त जजों तक पहुँच गई है। सलवा जुडूम फैसले और गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व जजों के दो खेमों में खुला टकराव सामने आया है। यह दृश्य असहज इसलिए है क्योंकि न्यायपालिका को सदैव राजनीति से ऊपर और निष्पक्षता का प्रतीक माना जाता रहा है।

(नीरज कुमार दुबे)

दरअसल, समस्या इस बात की नहीं है कि कौन सही है और कौन ग़लत। असली चिंता यह है कि पूर्व जजों के समूह अब राजनीति की भाषा में एक-दूसरे से भिड़ रहे हैं। इससे न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर चोट पहुँचती है।

राजनीति में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करना, समूहों का टकराना और बयानों की तलवारें चलाना कोई नई बात नहीं है। परंतु हाल के दिनों में यह परंपरा अब न्यायपालिका से जुड़े सेवानिवृत्त जजों तक पहुँच गई है। सलवा जुडूम फैसले और गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व जजों के दो खेमों में खुला टकराव सामने आया है। यह दृश्य असहज इसलिए है क्योंकि न्यायपालिका को सदैव राजनीति से ऊपर और निष्पक्षता का प्रतीक माना जाता रहा है। जब पूर्व जज दो समूहों में बाँटकर सार्वजनिक बयानबाज़ी करने लगते हैं, तो यह संदेश जाता है कि न्यायपालिका की गरिमा और स्वतंत्रता केवल काग़ज़ पर बची है, व्यवहार में नहीं।

यह सही है कि कोई भी व्यक्ति सेवानिवृत्ति के बाद अपने विचार रखने के लिए स्वतंत्र है। यदि कोई जज राजनीति में प्रवेश करता है, तो उसे उसी राजनीतिक धरातल पर आलोचना भी सहनी होगी। लेकिन जब बड़ी संख्या में पूर्व न्यायाधीश सार्वजनिक तौर पर बयान देकर किसी नेता या उम्मीदवार के पक्ष-विपक्ष में उतरते हैं, तो वे केवल व्यक्तियों पर असर नहीं डालते बल्कि पूरे न्यायिक समुदाय की निष्पक्षता पर संदेह खड़ा कर देते हैं।

दरअसल, समस्या इस बात की नहीं है कि कौन सही है और कौन ग़लत। असली चिंता यह है कि पूर्व जजों के समूह अब राजनीति की भाषा में एक-दूसरे से भिड़ रहे हैं। इससे न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर चोट पहुँचती है। लोकतंत्र में अदालतों का सम्मान इसलिए होता है क्योंकि लोग मानते हैं कि वह राजनीति से परे हैं। यदि यह धारणा ही टूट गई, तो यह न

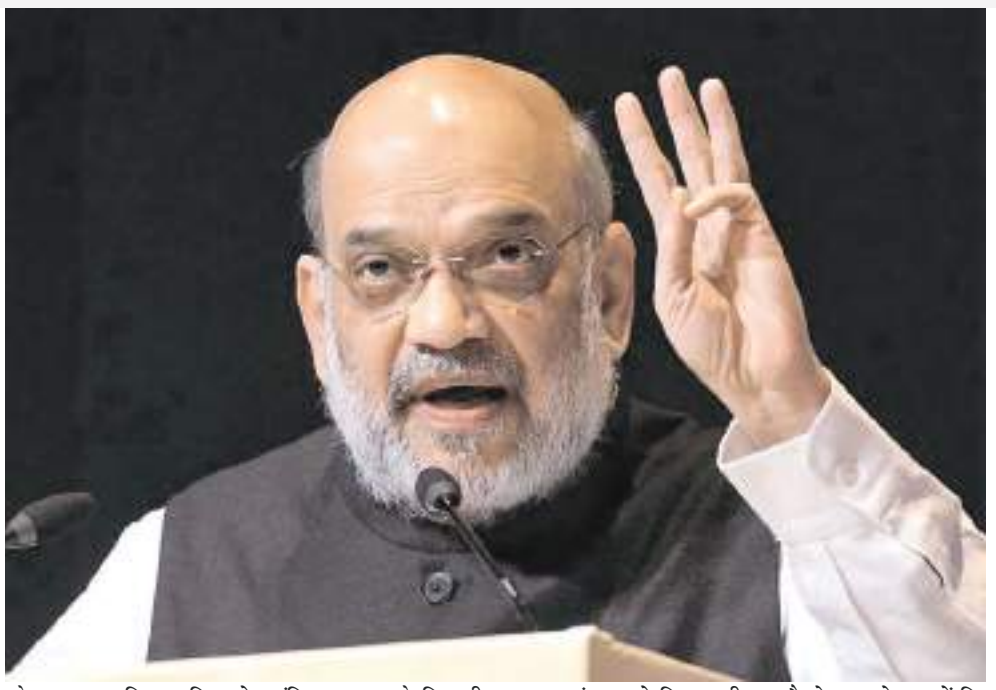

केवल न्यायपालिका बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी घातक होगा। अब समय आ गया है कि पूर्व न्यायाधीश अपने मतभेदों को सार्वजनिक मंच पर उछालने से बचें। व्यक्तिगत राय रखने और सार्वजनिक रूप से राजनीतिक टकराव का हिस्सा बनने में अंतर है। न्यायपालिका की गरिमा बचाए रखना केवल मौजूदा जजों का नहीं, बल्कि सेवानिवृत्त जजों का भी कर्तव्य है। न्यायपालिका का सम्मान इसी में है कि वह राजनीतिक अखाड़ा न बने, बल्कि समाज के लिए नैतिक मार्गदर्शक बनी रहे।

जहां तक पूरे विवाद की बात है तो आपको बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केरल में दिए भाषण में कहा था कि जस्टिस सुदर्शन रेड्डी ने अपने सलवा जुडूम निर्णय से नक्सलवाद को बढ़ावा दिया। अअमित शाह का दावा था कि अगर वह निर्णय नहीं दिया गया होता तो नक्सलवाद 2020 तक समाप्त हो गया होता। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सर्वोच्च न्यायालय के 18 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने अमित शाह को पत्र लिखकर उनकी टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और नाम लेकर हमला करने से बचने की सलाह दी। उनके अनुसार यह न्यायपालिका की गरिमा के खिलाफ है।

इसके ठीक अगले दिन 56 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों का समूह सामने आया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के चार पूर्व न्यायाधीश और पूर्व मुख्य न्यायाधीश- पी. सदाशिवम, रंजन गोगोई, एके सीकरी और एमआर शाह शामिल थे। इन न्यायाधीशों ने अपने वक्तव्य में कहा कि न्यायिक स्वतंत्रता राजनीतिक बयानबाज़ी की ढाल नहीं बन सकती। बयान में कहा गया कि बार-बार कुछ पूर्व न्यायाधीश राजनीति से प्रेरित होकर बयान जारी करते हैं और न्यायपालिका को पक्षपाती दिखाते हैं। बयान में कहा गया कि यदि कोई सेवानिवृत्त न्यायाधीश राजनीति में आता है (जैसे जस्टिस रेड्डी ने विपक्ष का उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनकर किया), तो उसे उसी राजनीतिक क्षेत्र में जवाब देना होगा, न कि न्यायपालिका की ढाल के पीछे छिपकर।

देखा जाये तो यह प्रकरण इस बात को उजागर करता है कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और न्यायाधीशों की व्यक्तिगत राजनीतिक पसंद के बीच की रेखा धुंधली हो रही है। अमित शाह के आलोचक पूर्व जज मानते हैं कि गृहमंत्री का बयान संस्थान की गरिमा पर चोट करता है। वहीं अमित शाह के समर्थन में खड़े न्यायाधीश कहते हैं कि समस्या आलोचना में नहीं, बल्कि पूर्व न्यायाधीशों द्वारा बार-बार राजनीतिक रंग में बयान देने में है।

बहरहाल, सलवा जुडूम के फैसले को लेकर शुरू हुआ विवाद अब न्यायपालिका की छवि और स्वतंत्रता पर विमर्श का रूप ले चुका है। अमित शाह की टिप्पणी ने बहस को तेज़ किया, लेकिन उससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि पूर्व न्यायाधीश दो खेमों में बंटकर न्यायपालिका को ही राजनीतिक बहस का हिस्सा बना रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम से यही प्रश्न उठता है कि क्या न्यायाधीशों को राजनीति में प्रवेश करने के बाद न्यायिक स्वतंत्रता की आड़ लेनी चाहिए, या फिर उन्हें उसी राजनीतिक धरातल पर खड़ा होकर आलोचना का सामना करना चाहिए? (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भाजपा ने निकाली राहुल के पुतले की अर्थी:सीएम बोले- परेशानी है तो नाना-नानी के पास जाएं; बिहार में पीएम को कहे गए थे अपशब्द

भोपाल। बिहार के दरभंगा में कांग्रेस की सभा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली दिए जाने के विरोध में रविवार को भोपाल में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पुतले की अर्थी निकाली। प्रदर्शन के लिए भाजपा महिला मोर्चा की बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भोपाल के रेड क्रॉस चौराहे पर इकट्ठी हुईं और नारेबाजी करते हुए कांग्रेस कार्यालय की ओर बढ़ने लगीं। हालांकि, पुलिस ने उन्हें सिद्धांता हॉस्पिटल के सामने बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। उधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के लिए गलत बयान दे रहे हैं। इतनी ही परेशानी है तो उन्हें अपने नाना-नानी के पास चले जाना चाहिए। इस जगत में रहने का उन्हें कोई हक नहीं है।

बारिश हुई तो रोड पर रखकर अर्थी तोड़ी- प्रदर्शन के दौरान बारिश शुरू हो गई, जिसके चलते महिला मोर्चा की कार्यकताओं ने अर्थी को वहीं तोड़ दिया और प्रदर्शन खत्म किया। विरोध प्रदर्शन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद माया नारोलिया और भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह, नेहा बग्गा भी शामिल रहीं।

माया बोलीं- अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे- भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया ने कहा कि महिलाओं का अपमान अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्या महिलाएं राजनीति और अन्य क्षेत्रों में अपमान सहने के लिए काम करती है? हम राहुल गांधी से पूछना चाहते हैं, क्या आपके घर में बहन-बेटियां नहीं हैं? क्या आप इसी तरह माताओं और बहनों का अपमान करते रहेंगे।

राहुल गांधी सार्वजनिक रूप से माफी मांगें- माया नारोलिया ने राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि अब मातृ शक्ति जाग चुकी है। अगर अब भी कांग्रेस ने होश नहीं संभाला तो बची-खुची कांग्रेस भी पूरी तरह स्वाहा हो जाएगी। हमारी मांग है कि राहुल गांधी सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और आगे से किसी भी महिला का अपमान न करें। भाजपा में महिलाओं को जो सम्मान, सुरक्षा, स्वाभिमान और बराबरी का अधिकार दिया गया है, वह किसी अन्य पार्टी में नहीं है।

कांग्रेसी नेता महिलाओं पर टिप्पणी करते हैं- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा- राहुल गांधी एक ऐसे नेता हैं जिनके संरक्षण में हर नेता बहनों के बारे में गलत कमेंट करता है। अभी मप्र में जीतू पटवारी ने हमारी बहनों के बारे में एक टिप्पणी की। ऐसी अशोभनीय टिप्पणी अगर कोई कर सकता है तो कांग्रेस और जीतू पटवारी जैसे नेता ही कर सकते हैं। हेमंत बोले- हमारे नेता का दुनिया भर में आदर- खंडेलवाल ने कहा- आज हजारों बहनें उनका विरोध करने और यह बताने के लिए यहां आईं कि कांग्रेस वो दल है।

भोपाल के बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में चर्चा: 'स्व' की खोज से ही मिलती है असली स्वाधीनता

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में आयोजित अध्ययन समूह की मासिक श्रृंखला में छात्रों और शिक्षकों ने ह्यस्व से साक्षात्कार पुस्तक पर विचार साझा किए। परिचर्चा का केंद्र स्वाधीनता और स्वतंत्रता का अंतर और 'स्व' की असली पहचान रहा। यह प्रज्ञा प्रवाह अंतर्गत संचालित अध्ययन समूह की 11वीं मासिक बैठक थी। इसमें अरुण कुमार ने लिखित 'स्व से साक्षात्कार' पुस्तक के अध्याय 'स्वत्व के लिए संघर्ष' का वाचन किया। उन्होंने कहा कि हम 'इंडिया' कहते हैं, अपनत्व की भावना कम होती है, लेकिन 'भारत' कहने में ज्यादा आत्मीयता महसूस होती है। यही 'स्व' की असली पहचान है। क्रांतिकारियों का संघर्ष इसी स्व के लिए चर्चा में यह बात प्रमुखता से उभरी कि स्वाधीनता और स्वतंत्रता में मूलभूत अंतर है। स्वतंत्रता का अर्थ केवल बंधनों से मुक्ति है, जबकि स्वाधीनता का मतलब है अपने मूल्यों, आत्मा और संस्कृति के अनुरूप जीवन जीना। वक्ताओं ने कहा कि यही सोच भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की नींव बनी। आंदोलन की प्रेरणा स्व त्रयी स्वधर्म, स्वदेशी और स्वराज से मिली। खासकर बंगाल के क्रांतिकारियों का संघर्ष इसी स्व के लिए बड़ी भूमिका निभाता रहा।

युवा हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार- परिचर्चा में अमृतकाल को भी आत्म चेतना और राष्ट्रीय पुनर्जागरण का समय बताया गया। इसे उस सुबह की घड़ी से जोड़ा गया, जब पूरी तरह उजाला नहीं हुआ होता, लेकिन अंधेरा भी समाप्त हो चुका होता है। इसी प्रतीकात्मकता को आज के भारत के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना गया। चर्चा में यह बात भी जोर देकर कही गई कि आज का युवा हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है, जरूरत सिर्फ सही दिशा देने की है। इस अवसर पर राजनीति विज्ञान, समाज कार्य और समाजशास्त्र विभाग के शिक्षक प्रो. कुमारेश कश्यप, डॉ. सविता सिंह भदौरिया, डॉ. अंजुम आरा, किरण बिलौनिया, डॉ. रौफ, डॉ. कायनात तरन्नुम और डॉ. राधा मिश्रा उपस्थित रहे।

बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष पहुंचे भोपाल, डेढ़ घंटे तक बंद कमरे में हेमंत खंडेलवाल

भोपाल। बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष आज भोपाल पहुंचे। एयरपोर्ट पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा ने उनका स्वागत किया।

हितानंद के घर डेढ़ घंटे बंद कमरे में बैठक- एयरपोर्ट से बीएल संतोष 74 बंगला स्थित प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के आवास पर पहुंचे। यहां करीब डेढ़ घंटे तक बंद कमरे में बीएल संतोष ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा और प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह के साथ चर्चा की।

निगम-मंडलों में और संगठन में नियुक्तियों को लेकर चर्चा- हेमंत खंडेलवाल के बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बने 60 दिन हो चुके हैं। लेकिन, वे अब तक प्रदेश कार्यकारिणी घोषित नहीं कर पाए हैं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की टीम के साथ ही काम कर रहे हैं। ऐसे में नई प्रदेश कार्यकारिणी और निगम-मंडल में नियुक्तियों को लेकर बीएल संतोष की चर्चा हुई।

कल भी भोपाल में रहेंगे- बीएल संतोष कल यानी सोमवार को भी भोपाल में रहेंगे। बीएल संतोष, सीएम डॉ. मोहन यादव के अलावा बीजेपी के पदाधिकारियों और संघ पदाधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। वे संघ कार्यालय समिधा और प्रदेश बीजेपी ऑफिस भी जा सकते हैं।

विधायकों, मंत्रियों के विवादों पर भी जानकारी ली- मप्र में लगातार विधायकों और प्रशासनिक अफसरों के बीच टकराव के मामलों पर भी बीएल संतोष ने प्रदेश नेतृत्व से जानकारी ली है। बता दें कि पिछोर विधायक प्रीतम लोधी, चंदेरी विधायक जगन्नाथ सिंह रघुवंशी, भिंड विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह, चाचौड़ा विधायक प्रियंका मीणा सहित करीब डेढ़ दर्जन विधायकों के प्रशासनिक अफसरों से टकराव और नाराजगी के मामलों की जानकारी केन्द्रीय नेतृत्व तक पहुंची थी।

औद्योगिक और ऊर्जा क्रांति का आधार बनेगी नई हाइड्रोजन निर्माण इकाई : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

चंबल के बीहड़ अब बन रहे विकास और प्रगति की नई पहचान, मुरैना उभर रहा है औद्योगिक हब के रूप में

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मुरैना के पिपरसेवा में हो रहा हाईड्रोजन निर्माण इकाई का भूमिपूजन नई औद्योगिक क्रांति, नई ऊर्जा क्रांति और नए मध्यप्रदेश की नींव है। मुरैना की ऐतिहासिक धरती पर स्थापित हो रही यह इकाई ग्वालियर-चंबल क्षेत्र की नई विकास यात्रा का प्रतीक बनेगी। चंबल की भूमि उपजाऊ और कमाऊ होने के साथ ही टिकाऊ भी है। मुरैना जो कभी बीहड़ों के कारण जाना जाता था, आज विकास और प्रगति की नई पहचान बना रहा है। मुरैना अब सिर्फ कृषि प्रधान जिला नहीं रहा बल्कि औद्योगिक हब के रूप में भी उभर रहा है। मुरैना की गजक ग्लोबली ट्रेंड हो रही है। देश की संसद के पुराने भवन का डिजाइन भी मुरैना के मितावली मंदिर से लिया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मुरैना जिले के पिपरसेवा में जीएचटू सोलर लिमिटेड की हाईड्रोजन निर्माण इकाई के भूमि-पूजन अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और उद्योगपतियों से संवाद कर आशय-पत्र भी वितरित किए।

देश को ग्रीन हाइड्रोजन और बैटरी एनर्जी स्टोरेज जैसी अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ेगी यह इकाई- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी किसानों, गरीबों और लघु उद्यमियों के लिए स्वदेशी की लड़ाई लड़ रहे हैं। राज्य सरकार और प्रदेशवासी पूरी प्रतिबद्धता से उनके साथ हैं। मुरैना में आरंभ हो रही हाईड्रोजन इकाई में कोरिया और ब्रिटेन की अग्रणी कम्पनियां तकनीकी सहयोग कर रही हैं। निकट भविष्य में इससे ग्रीन हाईड्रोजन का उत्पादन किया जाएगा। परियोजना से लगभग 500 युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा, साथ ही रोजगार के कई अप्रत्यक्ष अवसर भी सृजित होंगे। सात एकड़ भूमि पर बनने वाली यह परियोजना पूरे देश को ग्रीन हाइड्रोजन और बैटरी एनर्जी स्टोरेज जैसी अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ेगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत 21वीं सदी की वैश्विक विकास यात्रा का इंजन बना- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पूरी दुनिया में एक नए आत्मविश्वास और क्षमता के साथ उभर रहा है। जी20 की सफल अध्यक्षता हो, इंडिया-मीडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमी कॉरिडोर जैसी ऐतिहासिक पहल हो या यूनाईटेड किंगडम के साथ हुआ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, हर जगह भारत केवल सहभागी नहीं बल्कि मार्गदर्शक राष्ट्र के रूप में खड़ा है। वर्तमान में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और हम प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में तेजी से तीसरे स्थान की ओर अग्रसर हैं। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने भारत को 21वीं सदी की वैश्विक विकास यात्रा का इंजन बना दिया।

ग्वालियर-चंबल क्षेत्र इतिहास और संस्कृति के साथ निवेश-नवाचार और ग्रीन एनर्जी का भी केन्द्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र इतिहास और संस्कृति के प्रतीक होने के साथ निवेश, नवाचार और ग्रीन एनर्जी का भी केन्द्र हैं। यहां उद्योग, पर्यटन, संस्कृति और तकनीक सभी का संगम है। हाल ही में ग्वालियर में हुई रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में 3 हजार 500 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस क्षेत्र में अप्रैल 2024 से अब तक 220 इकाइयों को भूमि आवंटित हुई है। जिनमें 12 हजार 500 करोड़ रूपए का निवेश किया जाएगा, जिससे 21 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिलेगा। सीतापुर में फुटवियर एंड एक्सेसरीज क्लस्टर का विकास कार्य तेजी से प्रगति पर है, जिसमें लगभग 300 करोड़ रूपए का निवेश और 1200 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। मालनपुर में एलेक्जर इंडस्ट्रीज ने 1500 करोड़ रूपए का निवेश किया है। गौतम सोलर प्रायवेट लिमिटेड 4 हजार करोड़ रूपए के निवेश से सोलर सेल निर्माण इकाई स्थापित कर रही है। राज्य सरकार ने ग्वालियर-चंबल में औद्योगिक क्षेत्रों और पार्कों की श्रृंखला विकसित की है।

भोपाल में शादी-पार्टी में काले हिरण का मीट खपाते थे:राइफल सहित शिकारी गिरफ्तार; पुलिस से बोला- वन्य प्राणियों के अंग भी बेचते थे

भोपाल। भोपाल की टीला जमालपुरा पुलिस ने कुख्यात शिकारी जफर बैग उर्फ धार को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 315 बोर की लाइसेंसी राइफल और एक छुरी जब्त की है। आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में कई खुलासे किए हैं। जफर ने बताया कि वह ऑर्डर पर शादी और पार्टी में शिकार का मीट खपाने का काम करता था। इसमें काले हिरण से लेकर अन्य वन्यप्राणियों का मीट होता था। शिकार के मीट को 3 सौ से लेकर 5 सौ रुपए किलो के हिसाब से बेचा जाता था। पुलिस के मुताबिक आरोपी जफर का संबंध कुख्यात अपराधी फहीम बम के गिरोह से है। यह गिरोह संगठित रूप से वन्य प्राणियों की हत्या और उसके मांस-अंगों को बेचने का काम करता है। पुलिस ने आरोपी को वन विभाग के हवाले कर दिया है।

फहीम के घर फॉरेस्ट टीम ने रेड की थी- टीला जमालपुरा टीआई डीपी सिंह ने बताया कि 11 जुलाई को तलैया में रहने वाले फहीम के घर फॉरेस्ट टीम ने रेड की थी। जहां से बड़ी संख्या में वन्य प्राणी का मीट मिला था। मामले में फॉरेस्ट ने फहीम के बेटे हुजेफा शेख को गिरफ्तार किया था। हुजेफा ने पूछताछ में अपने साथी जफर बैग का नाम बताया था। घेराबंदी कर बैरसिया बस स्टैंड से जफर को रविवार सुबह गिरफ्तार किया गया। जफर ने अपने साथियों के नाम भी बताए हैं।

ऑर्डर पर मीट खपाने की बात स्वीकार की- आरोपी ऑर्डर पर वन्य प्राणियों का मीट खपाने का काम करता था। गिरोह के सदस्य ऑर्डर पर शादियों में मीट सप्लाई करते थे। इसकी जानकारी उन्होंने पुलिस को पूछताछ में दी है। पूछताछ में बताया कि ऑर्डर देने वाले को इस बात की जानकारी नहीं होती थी कि उन्हें शादी पार्टी के लिए शिकार का मीट दिया जा रहा है। गिरोह का सरगना फहीम बम है, जिसकी तलाश की जा रही है।

जफर बोला- रिजर्व एरिया में करते थे शिकार- आरोपी जफर ने पूछताछ में रिजर्व एरिया में भी शिकार करने की बात को स्वीकार किया है। उसने बताया कि चिड़िखो, राजगढ़, सागर और तवा डैम सहित रायसेन के जंगलों में शिकार करते थे। शिकार के लिए काले और सफेद रंग की दो स्कॉर्पियो का इस्तेमाल किया जाता था। इन कारों की भी जब्ती की जाएगी।

करोंद समेत 35 इलाकों में कल पानी की सप्लाई नहीं:भोपाल में मेट्रो-फिल्टर प्लांट के चलते असर; 40 जगह पर बिजली कटौती

भोपाल। भोपाल में सोमवार को कई इलाकों में बिजली और पानी की सप्लाई नहीं होगी। करोंद, छोला समेत 35 से अधिक जगहों पर पानी की सप्लाई नहीं की जाएगी। यहां मनुआभान टेकरी फिल्टर प्लांट से पानी की सप्लाई होती है। वहीं, 40 से अधिक इलाकों में बिजली कटौती की जाएगी। जानकारी के अनुसार, मेट्रो रेल संबंधी कार्यों एवं मनुआभान टेकरी जलशोधन संयंत्र पर काम के चलते रविवार की शाम को पानी की सप्लाई प्रभावित रही। सोमवार को भी पूरे दिन पानी सप्लाई नहीं होगा। ऐसे में नगर निगम यहां पानी के टैंकर भेज रहा है।

इन इलाकों में जलप्रदाय नहीं होगा- करोंद, विश्वकर्मा नगर, नवीबाग, भानपुर, लांबाखेड़ा, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, न्यू जेल रोड, नयापुरा, संजीव नगर, चांदबाड़ी, छोला, शिव नगर फेज-1, 2 और 3, शिवशक्ति नगर, अटल नेहरू नगर, देवकी नगर। नवाब कॉलोनी, गोंडीपुरा, दानिश कॉलोनी, शहीद कॉलोनी, आशियाना कॉलोनी, फिजा कॉलोनी, जनता नगर, हनीफ कॉलोनी, मोतीलाल नगर, रतन कॉलोनी, संजय नगर, गैस राहत क्वार्टर, कमल नगर, पन्ना नगर, ब्ल्यू मून कॉलोनी, प्रेम नगर, सुंदर नगर आदि क्षेत्रों में जलप्रदाय प्रभावित रहेगा।

इन इलाकों में बिजली भी नहीं रहेगी- सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक सलैया, सनखेड़ी, बीडीए कॉलोनी ई-सेक्टर, स्नेहा नगर, दीप मोहिनी, श्रीराम कॉलोनी एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक त्रिभुवन कॉलोनी, लीला अतुल्यम, महेंद्रा एंपल, शिव आंगन, अर्बन रिवर, मुकुंद रत्नम, जवाहर चौक, टीटी नगर, गंगोत्री भवन, प्रियदर्शनी, एमपी एमएलए क्वार्टर एवं आसपास के इलाके। सुबह 10.30 से दोपहर 3.30 बजे तक भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल, नवीबाग, पंचवटी, माया इन्क्लेव, पलासी, संजीव नगर, अलेक्सर गार्डन, करोंद, विवेकानंद कॉलोनी, बृज कॉलोनी, रतन कॉलोनी, पारस हाइट्स, कोरल कसा, सुख सागर कॉलोनी, फिजा कॉलोनी, देवकी नगर, जनता कॉलोनी, जनता क्वार्टर, अमलतास कॉलोनी, पूजा कॉलोनी बैरसिया रोड, रॉयल होम्स एवं आसपास के इलाके।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर भोपाल में फिट इंडिया साइकिल रैली:हजारों साइकिलिस्ट हुए शामिल

भोपाल। राष्ट्रीय खेल दिवस के तहत रविवार को राजधानी में खेल महोत्सव का समापन हुआ। फिटनेस और खेलों को बढ़ावा देने के संदेश के साथ निकाली गई फिट इंडिया साइकिल रैली में शहरभर से आए हजारों साइकिलिस्टों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। साइकिल रैली का नेतृत्व खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने किया। सुबह वीआईपी रोड पर राजा भोज प्रतिमा से शुरू होकर यह रैली 5 किलोमीटर लंबे मार्ग से होते हुए लेक व्यू वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी तक पहुंची। इस दौरान प्रतिभागियों ने ह्यस्वस्थ रहो-आगे बढ़ोह्व का संदेश दिया। रैली में अलग-अलग आयु वर्ग के लोगों मौजूद रहे। इस मौके पर भोपाल सांसद आलोक शर्मा भी मौजूद रहे और साइकिल चलाकर युवाओं का उत्साह बढ़ाया। रैली के समापन पर वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी में जल क्रीड़ा गतिविधियों का शानदार आयोजन हुआ। यहां खिलाड़ियों ने बड़े तालाब में अपने खेल कौशल का रोमांचक प्रदर्शन किया। कायकिंग, कैनोइंग, स्लैलम और सेलिंग जैसी प्रतियोगिताओं को देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध रह गए। जल क्रीड़ा खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने राजधानी में खेल महोत्सव के समापन को यादगार बना दिया।

श्री हिंदू उत्सव समिति का चुनाव, पांच उम्मीदवारों की दावेदारी:मतदान शुरू

11 हजार से अधिक सदस्य करेंगे फैसला

भोपाल। राजधानी की सबसे प्रभावशाली संस्थाओं में से एक श्री हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए आज रविवार को मतदान हो रहा है। गुफा मंदिर, लालघाटी स्थित मानस भवन में सुबह 9 बजे से मतदान की प्रक्रिया शुरू हुई, जो शाम 5 बजे तक चलेगी। इस चुनाव में समिति के 11 हजार से अधिक आजीवन सदस्य अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। अध्यक्ष पद की इस प्रतिष्ठित जंग में पांच दावेदार मैदान में हैं। इनमें चंद्रशेखर तिवारी, दीपेश श्रीवास्तव, कैलाश बेगवानी, हेमंत कुशवाह और नारायण कुशवाह शामिल हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. पीसी कोठारी ने बताया कि मतदान के लिए समिति द्वारा जारी आजीवन सदस्यता कार्ड, आधार कार्ड अथवा भारत निर्वाचन आयोग का फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र अनिवार्य होगा। इसके अलावा मतदाता का नाम समिति की सदस्यता सूची में होना जरूरी है।

मतदान में उत्साह, शाम को आएगा नतीजा- समिति के वरिष्ठ सदस्य प्रकाश मालवीय ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें और योग्य प्रत्याशी को विजयी बनाएं। वहीं सेवा संकल्प युवा संगठन ने भी सनातनियों से भारी संख्या में मतदान करने का आह्वान किया है।मतदान शाम 5 बजे तक चलेगा, इसके बाद मतगणना शुरू होगी। देर रात करीब 9 बजे तक परिणाम घोषित होने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

700 अप्रवासी बच्चों को वापस भेजने की योजना बना रहा ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ओरेगन राज्य के सीनेटर रॉन वायडन ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को बताया कि ट्रंप प्रशासन लगभग 700 ग्वाटेमाला के ऐसे बच्चों को देश से बाहर भेजने की योजना बना रहा है जो अपने माता-पिता के बिना अमेरिका आए थे। सीनेटर वायडन ने यह जानकारी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग की ऑफिस ऑफ रिफ्यूजी रिसेटलमेंट की कार्यकारी निदेशक एंजी सालाजार को भेजे एक पत्र में दी। यह दफ्तर उन बच्चों की देखरेख करता है जो बिना अभिभावक के अमेरिका आते हैं। वायडन ने लिखा कि इन बच्चों को वापस भेजना कार्यालय की बाल कल्याण जिम्मेदारी और इस देश की लंबे समय से चली आ रही प्रतिबद्धता का उल्लंघन होगा।

यमन पर इस्राइली हमले में हूती पीएम रक्षा मंत्री व आर्मी चीफ की मौत का दावा

साना, एजेंसी। इस्राइल ने यमन की राजधानी सना में हूती विद्रोहियों के खिलाफ बड़ा हवाई हमला किया है। हमले में हूती प्रधानमंत्री गालिब अल-रहावी और समूह के रक्षा मंत्री समेत कई सैन्य अधिकारी मारे जाने की आशंका है। हालांकि, हूती नेताओं की मौत पर समूह की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अल रहावी एक साल से हूतियों के कब्जे वाले यमन के प्रधानमंत्री थे। हालांकि, उन्हें अंतरराष्ट्रीय मान्यता नहीं मिली थी। इस्राइली मीडिया ने इसे यमन के हूतियों पर सबसे बड़ा हमला करार दिया है। हमला उस वक्त किया गया जब ये शीर्ष नेता एक अपार्टमेंट में राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित एक भाषण कार्यक्रम देख रहे थे। हमले की खबर सबसे पहले हूती समूह से संचालित अल मसीरा टीवी ने दी और फिर रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज और आईडीएफ ने भी हमले की पुष्टि की। यमन के अल-जम्हूरिया चैनल ने बताया कि हूती प्रधानमंत्री अल-रहावी अपने कई सहयोगियों के साथ एक अपार्टमेंट में थे, जब उन्हें निशाना बनाया गया। हूती रक्षा मंत्री मोहम्मद नासिर अल-अथिफी और चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद अब्द अल-करीम अल-गमारी के भी इस हमले में मारे जाने की संभावना है।

सिंगापुर में एक भारतीय नागरिक को जेल की सजा, सड़क दुर्घटना में लॉ प्रोफेसर की मौत का दोषी

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर की एक अदालत ने शुक्रवार को एक भारतीय नागरिक को 2023 में एक सड़क दुर्घटना में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर के एक वरिष्ठ लॉ प्रोफेसर की मौत के लिए दो साल एक महीने की जेल और 2,000 सिंगापुर डॉलर के जुर्माने की सजा सुनाई। 7 जुलाई, 2023 को, एक निर्माण मजदूर नटराजन मोहनराज (28) ट्रक चलाते समय अपना मोबाइल फोन देख रहा था और उसी वक्त उसके ट्रक ने एमेरिटस प्रोफेसर टैन यॉक लिन (70) की कार से टक्कर मार दी। इस हादसे में प्रोफेसर की इलाज के दौरान मौत हो गई। सिंगापुर के अखबार द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, नटराजन का लापरवाही से गाड़ी चलाने का इतिहास रहा है। ट्रैफिक पुलिस ने उन्हें जून 2023 में 25 जुलाई से पहले अपना लाइसेंस सरेंडर करने का नोटिस जारी किया था, लेकिन लाइसेंस सरेंडर करने की समय सीमा से दो हफ्ते पहले ही दुर्घटना हो गई। दुर्घटना के बावजूद, नटराजन ने 2024 में अपना लाइसेंस रद्द होने के बाद भी दो अलग-अलग मौकों पर दूसरी लॉरी चलाना जारी रखा। सिंगापुर मीडिया की रिपोर्ट में कहा कि अदालत ने मोहनराज को सिंगापुर में आजीवन गाड़ी चलाने से भी प्रतिबंधित कर दिया है।

अमेरिकी कोर्ट का बड़ा फैसला, ट्रंप के अधिकांश टैरिफ को बताया अवैध, राष्ट्रपति बोले- ये फैसला तबाह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में संघीय अपील अदालतों में से एक ने फैसला सुनाया कि ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए अधिकांश टैरिफ कानूनों के अनुरूप नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को पुष्टि की कि देशों पर लगाए गए सभी टैरिफ प्रभावी रहेंगे। साथ ही हाल ही में एक अत्यधिक पक्षपातपूर्ण अपील न्यायालय के फैसले को गलत बताया।

ट्रंप ने कहा,सभी टैरिफ अभी भी लागू हैं! आज एक बेहद पक्षपातपूर्ण अपील अदालत ने गलती से कहा कि हमारे टैरिफ हटा दिए जाने चाहिए, लेकिन वे जानते हैं कि अंत में जीत अमेरिका की ही होगी। अगर ये टैरिफ कभी हटा दिए गए तो यह देश के लिए पूरी तरह से विनाशकारी होगा। यह हमें आर्थिक रूप से कमजोर बना देगा, और हमें मजबूत होना होगा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी एक संघीय अपील अदालत द्वारा यह फैसला सुनाए जाने के बाद आई है कि अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम किसी

राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं देता है। जैसा कि ट्रंप ने इस वर्ष की शुरुआत में कानून का इस्तेमाल किया था। संघीय सर्किट ने ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए यह बात कही।

सीएनएन के अनुसार न्यायाधीशों ने कहा कि ट्रम्प द्वारा लगाया गया अभूतपूर्व टैरिफ उनकी शक्ति का अतिक्रमण है क्योंकि टैरिफ सहित कर लगाने की क्षमता एक प्रमुख कांग्रेसी शक्ति है जो संविधान विधायी शाखा को प्रदान करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि उनका देश अब बड़े व्यापार घाटे या अन्य देशों द्वारा लगाए गए अनुचित टैरिफ और गैर-टैरिफ व्यापार बाधाओं को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने आगे कहा, अगर इसे ऐसे ही रहने दिया गया तो यह फैसला सचमुच अमेरिका को तबाह कर देगा।

मजदूर दिवस सप्ताहांत से पहले ट्रंप ने अमेरिकी कामगारों और कंपनियों की मदद के लिए टैरिफ के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा, हम सभी को याद रखना चाहिए कि टैरिफ हमारे कामगारों की मदद करने और बेहतरीन मेड इन अमेरिका उत्पाद बनाने वाली कंपनियों का समर्थन करने का सबसे अच्छा जरिया है। ट्रंप ने अमेरिका के खिलाफ टैरिफ लगाने की इजाजत देने के लिए पिछली सरकारों की आलोचना की। उन्होंने कहा, कई सालों तक, हमारे बेपरवाह और नासमझ राजनेताओं ने टैरिफ को हमारे खिलाफ इस्तेमाल करने दिया। अब, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की मदद से हम अपने देश के हित में इनका इस्तेमाल करेंगे और अमेरिका को फिर से समृद्ध, मजबूत और शक्तिशाली बनाएंगे! रिपोर्ट के अनुसार वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने जून में संकेत दिया था कि अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों के साथ टैरिफ वार्ता श्रम दिवस तक पूरी हो सकती है, हालांकि कानूनी अनिश्चितता के कारण अब यह समय-सीमा जटिल हो गई है।

व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को राष्ट्रपति के कदमों का बचाव किया। प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने विदेशी खतरों से हमारी राष्ट्रीय और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए कांग्रेस द्वारा उन्हें दी गई टैरिफ शक्तियों का वैधानिक रूप से प्रयोग किया। राष्ट्रपति द्वारा लगाए गए टैरिफ अभी भी प्रभावी हैं और हम इस मामले में अंतिम जीत की आशा करते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण व्यापार घाटे वाले लगभग साठ देशों या व्यापार समूहों पर नए टैरिफ की एक व्यापक श्रृंखला की घोषणा की। ये लगभग 100 वर्षों में अमेरिका द्वारा की गई सबसे बड़ी टैरिफ वृद्धि थी।

मैंने बहुत लोगों का मुंह तोड़ा, पत्रकार पर भड़के ऑस्ट्रेलियाई राजनेता ने दी धमकी, खड़ा हुआ विवाद

ब्रिस्बेन , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के राजनेता बॉब कैटर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पत्रकार को धमकाने को लेकर विवादों में घिर गए हैं। यह घटना ब्रिस्बेन में क्वीनस्लैंड संसद भवन के बाहर हुई, जहां एक पत्रकार ने बॉब कैटर से उनके लेबनानी मूल को लेकर सवाल पूछा। इस सवाल से कैटर भड़क गए और उन्होंने गुस्से में पत्रकार की ओर मुट्ठी उठाई।

कैटर ने चिल्लाते हुए कहा, अरे यार, ये मत बोलो! क्योंकि ये बात मुझे गुस्सा दिलाती है और मैंने ऐसे कहने वाले लोगों का मुंह तोड़ा है। मत बोलो ऐसा। मेरा परिवार यहां 140 साल से है। उन्होंने आगे कहा, मैंने कई बार लोगों का मुंह तोड़ा है, लेकिन आज खुद को रोक रहा हूं। मत बोलो ऐसा।

एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, जब एक दूसरे पत्रकार ने पूछा कि इस सवाल में क्या गलत है, तो कैटर ने जवाब दिया, मैं इस मुद्दे पर बात नहीं कर रहा। मैं एक ऑस्ट्रेलियाई हूं। मेरा परिवार यहां आदिकाल से है। बात खत्म।

हालांकि, धमकाए जाने के बावजूद चैनल 9 के पत्रकार जॉश बावास ने एक और सवाल पूछा। उन्होंने कहा, ऐसे बहुत लोग हैं जो दूसरे देशों से

आए हैं, जैसे आप और आपका परिवार, और वे अच्छे मूल्यों को साथ लेकर आते हैं। लेकिन कैटर ने उन्हें बीच में रोकते हुए फिर से गुस्से में कहा, ऐसा मत कहो।

तुम नस्लवादी हो। उन्होंने बावास की ओर उंगली दिखाते हुए कहा, तुम नस्लवादी हो। तुमने जो कहा वो एक नस्लवादी बयान है। कैटर ने बाद में एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पत्रकार और चैनल से माफी की मांग की। उन्होंने लिखा, मुझे ऑस्ट्रेलियाई न मानना मेरे लिए बहुत अपमानजनक है। मैं इसके लिए माफी चाहता हूं।

वहीं, पत्रकार जॉश बावास ने इस प्रेस कॉन्फ्रेंस को असामान्य बताया। उन्होंने कहा, मैंने बीते बीस वर्षों की पत्रकारिता में ऐसा कभी नहीं देखा। मैं केवल यह पूछना चाह रहा था कि प्रवासी परिवारों ने इस देश में साझा मूल्यों के जरिए क्या योगदान दिया है, जिसमें कैटर और मेरा परिवार भी शामिल है।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी बॉब कैटर की आलोचना की। प्रधानमंत्री ने कहा, बॉब कैटर मुझे पसंद हैं, लेकिन उन्हें यह वीडियो देखना चाहिए। खुद को देखना चाहिए और समझना चाहिए कि किसी भी ऑस्ट्रेलियाई, खासकर सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति से इस तरह के व्यवहार की उम्मीद नहीं की जाती। उन्होंने आगे कहा, आप ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं, जिसका नाम अल्बनीज है। हमारे सीनेट नेता का नाम वोंग है। प्रवासन इस देश को समृद्ध करता है। पहले ऑस्ट्रेलियाई (फर्स्ट ऑस्ट्रेलियन) को छोड़कर हम सब या तो प्रवासी हैं या प्रवासियों की संताने की संताने हैं।

थाईलैंड की अदालत ने प्रधानमंत्री शिनावात्रा को किया बर्खास्त, फोन कॉल लीक से जुड़ा है मामला

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा को नैतिकता के उल्लंघन के आरोप में शुक्रवार को पद से बर्खास्त कर दिया। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार सत्ता में आने के केवल एक साल बाद ही हुई बर्खास्तगी के बाद राजनीतिक उथल-पुथल की आशंका है। पैतोंगतार्न, थाईलैंड की सबसे युवा प्रधानमंत्री थी।

अपने फैसले में, अदालत ने कहा कि पैतोंगटार्न ने जून में लीक हुए एक टेलीफोन कॉल में नैतिकता का उल्लंघन किया है, जिसमें वह कंबोडिया के पूर्व नेता हुन सेन के सामने झुकती हुई दिखाई दीं। जब दोनों देश सशस्त्र सीमा संघर्ष के कगार पर थे। कुछ हफ़्तों बाद लड़ाई शुरू हुई और पांच दिनों तक चली। 6-3 के बहुमत से दिए गए फैसले में, अदालत ने कहा कि पैतोंगटार्न ने अपने निजी हितों को राष्ट्र के हितों से ऊपर रखा और देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया।

आगे क्या होगा? : पैतोंगतार्न शिनावात्रा 17 वर्षों में संवैधानिक न्यायालय द्वारा हटाई जाने वाली पांचवीं प्रधानमंत्री बनीं। उप-प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई और वर्तमान मंत्रिमंडल कार्यवाहक के रूप में तब तक सरकार की देखरेख करेंगे जब तक कि संसद द्वारा नए प्रधानमंत्री का चयन नहीं हो जाता, जिसकी तिथि सदन के अध्यक्ष द्वारा तय की जाएगी। संविधान में निचले सदन की बैठक कब होनी चाहिए, इसकी कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं है।

शिनावात्रा परिवार को नुकसान: अदालत के इस फैसले से पार्टियों और अन्य सत्ता-दलालों के बीच सौदेबाजी और खरीद-फरोख्त का रास्ता खुल गया है। जिसका केंद्रबिंदु पैतोंगटार्न के पिता और पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा हो सकते हैं। क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन के पास केवल सात सीटों का मामूली बहुमत है, जिसका अर्थ है कि गठबंधन से किसी भी तरह की निष्ठा का बदलाव शिनावात्रा राजनीतिक परिवार के लिए महंगा पड़ सकता है।

अमेरिका की संसदीय समिति का चीन पर सख्त रुख एआई चिप निर्यात पर नई रणनीति लागू करने की सिफारिश की

वॉशिंगटन, एजेंसी। चीन पर अमेरिका की विशेष संसदीय समिति के अध्यक्ष जॉन मूलनार ने वाणिज्य विभाग के सचिव हावर्ड लटकनिक को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने चीन को निर्यात की जाने वाली एआई चिप पर रोलिंग टेक्निकल थ्रेशोल्ड (आरटीटी) रणनीति लागू करने की सिफारिश की है। मूलनार मिशिगन राज्य से रिपब्लिकन पार्टी के सांसद हैं।

इस रणनीति का मकसद यह है कि चीन को जो एआई चिप निर्यात किए जाएं, वे उन चिप से थोड़े बेहतर हों जिन्हें चीन खुद अपने देश में बड़े पैमाने पर बना सकता है। इस तरह अमेरिका अपनी तकनीकी बढ़त बनाए रख सकेगा। साथ ही, इस रणनीति का एक और लक्ष्य यह है कि चीन की कुल एआई कंप्यूटिंग शक्ति अमेरिका की तुलना में केवल 10 तक सीमित रहे, ताकि अमेरिका लंबे समय तक एआई में अग्रणी बना रहे। मूलनार ने पिछले महीने एनवीडिया कंपनी के एच20 जैसे चिप के चीन निर्यात पर नाराजगी जताई थी। ऐसे चिप चीन में बड़े पैमाने पर नहीं बना पाता है और ये चीन में बने चिप की तुलना में काफी उन्नत माने जाते हैं।

संसदीय समिति की अप्रैल 2025 की डीपसीक पर रिपोर्ट के अनुसार, इन चिप ने चीन के सबसे उन्नत एआई मॉडल आर1 को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई थी। मूलनार ने पत्र

में लिखा है, हमने कई बार देखा है कि चीन अपनी तकनीक और हथियार रूस, ईरान और अन्य दुश्मन को देता है, जिससे अमेरिका के सहयोगी देशों पर हमले होते हैं। खासकर ईरान, चीन की एआई क्षमताओं का लाभ उठाने को तैयार बैठा है।

उन्होंने आगे कहा कि डीपसीक द्वारा चीनी सेना के लिए खास तौर पर तैयार किया गया आर1 मॉडल अब चीन की सैन्य क्षमताओं में एक विकल्प के रूप में शामिल हो सकता है। उदाहरण के लिए, अगर चीन ऐसे एआई-सक्षम ड्रोन के झुंड ईरान को बेचता है, जिनमें खुद-ब-खुद चलने की क्षमता, आपस में जुड़ने की क्षमता, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तकनीक और लक्ष्य पहचान जैसी खूबियां हों, तो ये अमेरिका या इस्राइल की सेनाओं के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। मौजूदा सुरक्षा प्रणाली शायद इन तकनीकों का मुकाबला आसानी से नहीं कर पाएगी।

आरटीटी रणनीति का मकसद यह है कि चीन अमेरिकी हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर पर निर्भर बना रहे, लेकिन उसकी एआई तकनीक सीमित रहे। संसदीय समिति के अनुसार, इससे अमेरिका की बढ़त बनी रहेगी। इससे पहले मूलनार ने तकनीकी रणनीति पर काम करने वाले क्रैक इंस्टीट्यूट में अपने संबोधन में कहा था कि सेमीकंडक्टर, एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग केवल आर्थिक संसाधन नहीं है, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा, कूटनीति और वैश्विक प्रभाव बनाए रखने के लिए भी बेहद जरूरी है।

आयरिश मिशनरी समेत आठ लोग एक महीने बाद रिहा, अनाथालय पर हमले के दौरान किया गया था अगवा

पोर्ट-ओ-प्रिंस , एजेंसी। आयरलैंड की एक मिशनरी और तीन साल एक बच्चा उन आठ लोगों में शामिल हैं, जिन्हें हैती में बंदूकधारियों ने शुक्रवार को रिहा कर दिया। इन सभी को तीन अगस्त को एक अनाथालय पर हमले के दौरान अगवा कर लिया गया था। अधिकारियों और पीड़ितों के परिजनों ने उनकी रिहाई की पुष्टि की है।

गिना हेरेटी नाम की यह मिशनरी 1993 से हैती में काम कर रही हैं। वह सेंट-हेलीन अनाथालय में विशेष जरूरतों वाले बच्चों और वयस्कों के लिए चलाए जा रहे एक कार्यक्रम की निदेशक हैं। उनके परिवार ने कहा, हमारे पास इस राहत को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं। हम हर उस व्यक्ति का धन्यवाद करते हैं, जिसने हमारी मदद की। हम हैती के लोगों के लिए शांति और सुरक्षा की कामना करते हैं, जो लगातार हिंसा से पीड़ित हैं।

आयरलैंड के उप-प्रधानमंत्री साइमन हैरिस ने एक्स इस रिहाई की पुष्टि की। हालांकि, हैती की सरकार ने इस पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। गिना हेरेटी और अन्य सात लोगों को जिस अनाथालय से अगवा किया गया था, वह नोस पेटी फ्रेरे ए सूर्स नाम के एक अंतरराष्ट्रीय चैरिटी संस्था की ओर से संचालित किया जाता है, जिसके कार्यालय मेक्सिको और

फ्रांस में हैं। संस्था की वेबसाइट के अनुसार, यह अनाथालय 240 से अधिक बच्चों की देखभाल करता है।

इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है, लेकिन यह इलाका विव अंसम नाम के गिरोह के नियंत्रण में है, जिसे अमेरिका ने इस साल विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया था। गुरुवार को अमेरिका ने कहा कि वह हैती में हिंसा से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र से एक नई गिरोह नियंत्रण बल चाहता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शीया ने यह जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह बल पहले से तैनात केन्या के नेतृत्व वाले बहुराष्ट्रीय सुरक्षा बल से अलग होगा या उसी का हिस्सा रहेगा।

हैती में लगातार हिंसा बढ़ रही है। राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस का अधिकांश हिस्सा अब गिरोहों के कब्जे में है। अपहरण की घटनाएं आम हो गई हैं और मिशनरियों को पहले भी निशाना बनाया गया है। वर्ष 2021 में 400 मावोजो नाम के गिरोह ने राजधानी के पास स्थित गंथियर इलाके से अमेरिका की एक संस्था के 17 मिशनरियों को अगवा कर लिया था, जिनमें पांच बच्चे भी शामिल थे। इनमें से ज्यादातर को 61 दिन तक बंधक बनाकर रखा गया था।

शांति बहाली में तेजी लाने की कवायद, जेलेंस्की फिर ट्रंप से मिलेंगे ; रूस पर लगाए आरोप

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन बीच तीन साल से चल रहे संघर्ष में स्थिति दिन प्रतिदिन और भयावह होती जा रही है। शांति वार्ता को लेकर चल रहे प्रयास भी धूमिल होते हुए दिख रहे है। ऐसे में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को कहा कि यूक्रेन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूरोपीय नेताओं से अगले हफ्ते मुलाकात करना चाहता है ताकि रूस के साथ चल रही तीन साल की जंग को खत्म करने के प्रयासों पर चर्चा की जा सके। इस दौरान जेलेंस्की ने रूस पर आरोप लगाया कि वह शांति वार्ता में कोई गंभीर पहल नहीं कर रहा, बल्कि अब भी यूक्रेन के आम इलाकों पर हवाई हमले कर रहा है।

यूक्रेन राष्ट्रपति कार्यालय प्रमुख आंद्रेई यरमाक ने न्यूयॉर्क में ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य है कि वॉशिंगटन समिट में बनी सहमति को लागू किया जाए और कूटनीति को आगे बढ़ाया जाए। यरमाक ने बताया कि पुतिन इस महीने अलास्का में ट्रंप से मुलाकात के बाद भी शांति वार्ता में रुचि नहीं दिखा रहे। उन्होंने कहा कि रूस युद्ध रोकने के लिए जरूरी किसी भी कदम को नहीं मान रहा और जानबूझकर स्थिति को लटकाए रख रहा है।जेलेंस्की ने कहा कि अगले हफ्ते यूरोपीय नेताओं के साथ कई मुलाकातें अलग-अलग जगहों पर होंगी। यूक्रेन ने अमेरिका के सीजफायर प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है और जेलेंस्की-पुतिन बैठक के लिए तैयार है, लेकिन रूस ने कुछ आपत्तियां जताई हैं। बता दें कि यूक्रेन ने अब तक कतर, सऊदी अरब, तुर्की, यूएई, स्विट्जरलैंड और अमेरिका में शांति वार्ता को आगे बढ़ाने की कोशिश की है।

अमेरिका ने कैंसिल किया फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास का वीजा

अगले महीने होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक उच्च-स्तरीय बैठक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अगले महीने होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक उच्च-स्तरीय बैठक से पहले फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास और 80 अन्य अधिकारियों के वीजा रद्द कर दिए हैं। फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने इस कदम को अंतर्राष्ट्रीय कानून के विरुद्ध बताया है।

विदेश विभाग के एक अधिकारी ने, जिन्होंने आमतौर पर गोपनीय रहने वाले वीजा मुद्दों पर चर्चा करने के लिए नाम न छापने की शर्त पर बात की। उन्होंने शुक्रवार को खुलासा किया कि अब्बास और फिलिस्तीनी प्राधिकरण के अन्य अधिकारी नए वीजा प्रतिबंधों से प्रभावित लोगों में शामिल हैं। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र मिशन में नियुक्त फिलिस्तीनी प्रतिनिधियों को छूट दी गई है। यह कदम ट्रंप प्रशासन द्वारा फिलिस्तीनियों पर वीजा प्रतिबंध लगाने के लिए उठाए गए कदमों की श्रृंखला में बिल्कुल नया है। साथ ही यह ऐसे समय में आया है जब इजराइली सेना ने गाजा के सबसे बड़े शहर को युद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया है। कुछ रुढ़िवादियों द्वारा सोशल मीडिया पर विरोध प्रदर्शन के बाद, विदेश विभाग ने उस कार्यक्रम को भी निलंबित कर दिया, जिसके तहत गाजा से घायल फिलिस्तीनी बच्चों को इलाज के लिए अमेरिका आने की अनुमति दी गई थी।

विदेश विभाग ने एक बयान में कहा कि रुबियो ने फिलिस्तीनी अधिकारियों, जिनमें फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन से जुड़े अधिकारी भी शामिल हैं, के कुछ नए वीजा आवेदनों को भी अस्वीकार करने का आदेश दिया है।

बयान में कहा गया है, यह हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हित में है कि पीएलओ और पीए को अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन न करने और शांति की संभावनाओं को कमजोर करने के लिए जवाबदेह ठहराया जाए। इसमें कहा गया है कि शांति के लिए भागीदार माने जाने के

लिए, इन समूहों को अमेरिकी कानून और पीएलओ के वादे के मुताबिक, आतंकवाद का लगातार खंडन करना होगा और शिक्षा में आतंकवाद को बढ़ावा देना बंद करना होगा।

फिलिस्तीनी प्राधिकरण ने वीजा वापसी की निंदा करते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र के मेजबान देश के रूप में अमेरिकी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन बताया और विदेश विभाग से अपने फैसले को वापस लेने का आग्रह किया। इसने एक बयान में कहा कि फिलिस्तीनी राष्ट्रपति कार्यालय ने वीजा संबंधी इस फैसले पर गहरा खेद और आश्चर्य व्यक्त किया है। यह अंतर्राष्ट्रीय कानून और मुख्यालय समझौते का उल्लंघन करता है। खासकर इसलिए क्योंकि फिलिस्तीन राज्य संयुक्त राष्ट्र का एक पर्यवेक्षक सदस्य है।

संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि विश्व निकाय विदेश विभाग से स्पष्टीकरण मांगेगा। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि इस मुद्दे का समाधान हो जाएगा। यह महत्वपूर्ण है कि सभी सदस्य देशों, स्थायी पर्यवेक्षकों का प्रतिनिधित्व हो। विदेश विभाग ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीनी प्राधिकरण मिशन में नियुक्त प्रतिनिधियों को संयुक्त राष्ट्र के साथ अमेरिकी मेजबान देश समझौते के तहत छूट दी जाएगी, ताकि वे न्यूयॉर्क स्थित अपने अभियान जारी रख सकें। ट्रंप प्रशासन ने उन लोगों पर कड़ी कार्रवाई की है जिनके पास अमेरिका आने की कानूनी अनुमति है, और कई बार रद्द किए गए वीजा के बारे में कभी विशेषाधिकार प्राप्त जानकारी जारी करने के मानकों में ढील दी गई है, ताकि सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखी जा सके। उदाहरण के लिए, विदेश विभाग के दूसरे सबसे वरिष्ठ राजनयिक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था, जब अमेरिका ने ब्रिटिश पंक-रैप जोड़ी बॉब वायलन के वीज़ा रद्द कर दिए थे। ऐसा इसलिए, क्योंकि उन्होंने भीड़ को इजराइली सेना के लिए मौत के नारे लगाने के लिए प्रेरित किया था। संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीनी राजदूत रियाद मंसूर ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि अब्बास ने संयुक्त राष्ट्र की बैठकों में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने की योजना बनाई थी। साथ ही उनसे महासभा को संबोधित करने की उम्मीद की जा रही थी।

संक्षिप्त समाचार

पीएम विश्वकर्मा योजना अंतर्गत मालाकार के 11 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण संपन्न

विदिशा (निप्र)। पीएम विश्वकर्मा योजना अंतर्गत शासकीय आईटीआई विदिशा में मालाकार के 11 उम्मीदवारों का प्रशिक्षण आज गुरुवार को संपन्न हुआ जिसमें जिला उद्योग केंद्र से प्रतिनिधि श्रीमती संचयी मानके द्वारा असेसमेंट किया गया है। योजना की जानकारी देते प्रशिक्षण प्रभारी श्री दीपक आचार्य एवं प्रभारी प्राचार्य श्री आलोक रावत एवं स्किल नोडल श्री अमरेश कुमार सिंह ने बताया कि शासकीय आईटीआई विदिशा में सभी 18 जाबरोल के विश्वकर्माओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। योजना के लाभार्थियों को उनके बैंक खातों में प्रशिक्षण भत्ता यात्रा भत्ता एवं लोन की राशि प्रदान की जाएगी।

प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सचिव ने लिये सुझाव

सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सचिव श्री अक्षय कुमार सिंह ने श्यामपुर एवं सीहोर तहसील में बैठक ली। इस बैठक में एसडीएम श्री तन्मय वर्मा तहसीलदार श्री श्याम चन्देले, श्री अमित सिंह, श्री भरत नायक, तथा तहसील मे पदस्थ आरआई, पटवारी, पंचायत सचिव, लिपिक, कोटवार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में सचिव श्री सिंह ने प्रशासनिक सुधारों के संबंध मे चर्चा करते हुए सभी से सुझाव लिये।

मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा वर्ष ऋतु के दौरान मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। जारी एडवाइजरी अनुसार कपकपी के साथ तेज बुखार, सिरदर्द, उल्टी होना, बेचैनी, कमजोरी, सुस्ती, मितली, ठंड, तपन महसूस होना आदि मलेरिया के लक्षण हो सकते हैं। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि मलेरिया से बचाव के मच्छरदानी का उपयोग करें औरखिड़कियों एवं दरवाजों पर जाली लगायें। हल्के रंग के कपड़े पहनें एंव हाथ पैरों को पूरा ढ़कें। हर सप्ताह कूलर, टंकी और बैरल के पानी को बदलें। आस पास पानी को जमा न होने दें। इसके साथ ही तेज बुखार, उल्टी तथा शरीर में दर्द होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डेंगू फैलाने वाला मच्छर रुके हुए साफ पानी में पनपता है। कूलर, टंकी, पक्षियों के पीने के पानी का बर्तन, फ्रीज की ट्रे, फूलदान, नारियल का खोल, टूटे हुए बर्तन व टायर इत्यादिमेंको ढक कर रखें तथा अधिक दिनों तक यहां पानी जमा न रहने दें। यह मच्छर दिन के समय काटता है। कपड़ों से बदन को पूरी तरह ढ़ककर रखें। इस प्रकार लक्षण दिखाई देने पर तुरंत अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करें।

जिला स्तरीय समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक संपन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। गुरुवार को कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में दीनदयाल रसोई योजना अंतर्गत नर्मदापुरम एवं पिपरिया नगरीय निकाय की दीनदयाल रसोई संचालन के लिए प्राप्त ऑनलाइन निविदाओं का शासन से प्राप्त निर्देशानुसार मूल्यांकन बिंदुओं के आधार पर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान नर्मदापुरम एवं पिपरिया दोनों नगरीय निकायों के लिए चयनित संस्थाओं का मूल्यांकन प्रस्तुत किया गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पिपरिया नगरीय निकाय के लिए चयनित संस्था के दस्तावेजों का पुनः अवलोकन कर स्कोर शीट पर आवश्यक रिवर्क किया जाए। इस अवसर पर नगर पालिका नर्मदापुरम की अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेंद्र यादव, सिटी मजिस्ट्रेट एवं परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास प्राधिकरण श्री बृजेंद्र रावत, सीएमओ नगर पालिका नर्मदापुरम श्रीमती हेमेश्वरी पटले, सीएमओ पिपरिया श्री राम नाइक, सब्जी मंडी एसोसिएशन अध्यक्ष श्री अमीन राइन सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अपने सुझाव प्रस्तुत किए। उक्त संबंध में कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

कमिश्नर ने स्थाई बस परमिट एवं बस परमिट रिनुअल के प्रकरण की सुनवाई की

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने गुरुवार को जिला परिवहन कार्यालय में स्थाई बस परमिट, बस परमिट रिनुअल एवं नवीन बस संचालन के आवेदनों पर सुनवाई की। कमिश्नर श्री तिवारी ने बस परमिट के 194 एवं बस परमिट रिन्यूअल के 36 केस पर सुनवाई की। उन्होंने एक-एक केस पर बारीकी से सुनवाई की, साथ ही बस संचालन के नवीन आवेदनों की भी बारीकी से समीक्षा की। इस दौरान जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती रिंकू शर्मा उपस्थित रही।

एसडीएम देखें-किसानों को सहूलियत से खाद मिले: कलेक्टर सिद्धार्थ जैन

■ मुख्य मार्गों पर निराश्रित गौवंश विचरण न करे ■ अपात्र हितग्राहियों के नाम राशन सूची से काटे जाएं

■ राजस्व अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर ने दिये निर्देश

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने जिले के सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये है कि वे किसानों को उर्वरक वितरण व्यवस्था पर पैनी निगरानी रखें एवं यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी उर्वरक वितरण में किसानों को असुविधा का सामना न करना पड़े। गुरूवार को आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिले के प्रत्येक नगर एवं गांव में राशन प्राप्त कर रहे अपात्र हितग्राहियों को चिन्हित किया जाए एवं उनके नाम राशन सूची से हटाये जाएं। कोई भी अपात्र हितग्राही राशन प्राप्त न कर सके, इसकी सख्त व्यवस्था हो। कलेक्टर ने अवैध कॉलोनियों के मामले को भी गंभीरता से लेते हुए कहा कि राजस्व अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जिले में कहीं भी अवैध कॉलोनियां न पनपें। जो भी कॉलोनियां विकसित की जा रही हैं, वे विधिवत अनुमति लेकर तैयार की जाएं ताकि ऐसी कॉलोनी के निवासियों को मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। बैठक में अपर कलेक्टर श्री पुरूषोत्तम कुमार, संयुक्त कलेक्टर सुश्री रजनी वर्मा सहित जिले के अनुविभागीय राजस्व अधिकारी एवं तहसीलदार व नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

कलेक्टर ने नगरीय क्षेत्रों में होने वाले अतिक्रमण की रोकथाम के लिये भी राजस्व अधिकारियों से सख्ती दिखाने की अपेक्षा की। उन्होने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में अब कोई नये अतिक्रमण न हों, इस बात पर निरन्तर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होने नगरीय क्षेत्रों में एवं मुख्य मार्गों पर विचरण कर रहे निराश्रित गोवंश को सुरक्षित आश्रय स्थलों तक पहुँचाने के लिये भी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये। बैठक में फार्मर रजिस्ट्री एवं आरसीएमएस में दर्ज राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा की गई। इसके साथ ही नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरूस्ती के मामले समय सीमा में निराकृत करने के राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये गये।

वनग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तन करने के कार्य की भी कलेक्टर ने जानकारी ली। उन्होने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये कि उद्यानिकी फसलों से संबंधित गिरदावरी के कार्य में उद्यान विभाग एवं राजस्व विभाग के आंकड़ों में एकरूपता हो, यह सुनिश्चित किया जाए। श्री अन्न की फसलों की गिरदावरी में भी इस बात का ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने हिट एण्ड रन के मामलों में भी तत्परता से निराकरण करने की अधिकारियों से अपेक्षा की। उन्होने अधिकारियों से कहा कि राजस्व वसूली के कार्य में भी गति लाई जाए। बैठक में जनसुनवाई एवं सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की स्थिति की भी कलेक्टर ने समीक्षा की।

आबकारी विभाग बरेली ने अवैध रूप से परिवहन हो रही 06 पेटी देशी मसाला मदिरा और मोटर सायकिल जप्त की

रायसेन (निप्र)। सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती शहनाज कुरेशी के नेतृत्व मे अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत वृत्त बरेली के आबकारी उपनिरीक्षक राजेश विश्वकर्मा द्वारा आबकारी बल के सहयोग से दिनांक 28.08.2025 को प्राप्त सूचना के आधार पर खरगोन से बरेली की ओर आने वाले मार्ग पर ग्राम भोंडिया नहर के पास नाकेबंदी की जाकर बिना नम्बर की एक हीरो सी.डी. डीलक्स मोटरसायकिल पर दो झोलों में रखी हुई 06 पेटियों में रखे 300 पाव देशी मसाला मदिरा के अवैध रूप से परिवहन करते हुए उक्त मोटर सायकिल को मय मदिरा के जप्त किया गया। आबकारी स्टाफ को नाके बंदी करते हुए देख आरोपी मोटर सायकिल को मय मदिरा के घटना स्थल पर पटककर मौके से फरार होने में कामयाब हो गया था जिसकी गिरफ्तारी शेष है। आरोपी की मौके पर पहचान नहीं होने से अज्ञात आरोपी के विरुद्ध म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 संशो. 2000 की धारा 34(2) के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना मे लिया गया। साथ ही ग्राम छवारा में दविश देकर आरोपी रमेश रघुवंशी को 20 पाव देशी प्लेन मदिरा के साथ गिरफ्तार किया तथा ग्राम गुरारिया में दविश देकर आरोपी मथुरा प्रसाद को 18 पाव मसाला मदिरा के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त दोनों आरोपियों के विरुद्ध म.प्र. आबकारी अधिनियम की धारा 34-1(क) के तहत प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया।

जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक संपन्न

जाति प्रमाण पत्र के अभाव में कोई भी प्रकरण लंबित न रहे : कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

नर्मदापुरम (निप्र)। अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के तहत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में समिति के सदस्यगण सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं सदस्य सचिव द्वारा निर्धारित एजेण्डा अनुसार बिंदुवार जानकारी प्रस्तुत की गई। समिति ने अधिनियम के अंतर्गत दर्ज प्रकरणों के अन्वेषण की स्थिति, न्यायालयों में लंबित मामलों के अभियोजन की प्रगति तथा अत्याचार पीड़ितों को राहत सुविधा, यात्रा भत्ता एवं अन्य सहायता की समीक्षा की। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों में शासन नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही निर्धारित समय सीमा में सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जाति प्रमाण पत्र के अभाव में कोई भी प्रकरण लंबित न रहे।

इसके लिए विकासखण्ड स्तरीय समिति एवं संबंधित थानों के बीच समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि प्रत्येक त्रैमासिक उपखंड स्तरीय समिति की बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए, जिससे प्रकरणों की नियमित समीक्षा हो सके और पीड़ितों को शीघ्र राहत उपलब्ध कराई जा सके। बैठक में पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह, मुकेश चंद्र मैना सहित जिला स्तरीय समिति के शासकीय एवं अशासकीय सदस्यगण उपस्थित रहे।

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

बैतूल (निप्र)। वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक गुरुवार को कृषि विज्ञान केन्द्र बैतूल बाजार में आयोजित की गई। इस दौरान बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. डीपी शर्मा ने केन्द्र पर संचालित गतिविधियों की प्रशंसा की एवं जिले के ज्यादा से ज्यादा कृषकों को लाभ पहुंचाने के लिए वैज्ञानिकों को मार्गदर्शन दिया। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. टीआर शर्मा द्वारा केन्द्र पर संचालित प्रक्षेत्रीय परीक्षण में तकनीकी रूप से सुधार के सुझाव दिए एवं केन्द्र पर पदस्थ वैज्ञनिकों से इस केन्द्र की प्रगति को और ऊंचाइयों तक ले जाने का आग्रह किया। इस दौरान केन्द्र के पौध संरक्षण वैज्ञानिक श्री आरडी बारपेटे ने केन्द्र का प्रगति प्रतिवेदन एवं आगामी कार्य योजना का विस्तृत ब्यौरा सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया। उक्त बैठक में ज.ने.कृ.वि.वि. संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. डीपी शर्मा, एवं प्रधान वैज्ञानिक जबलपुर डॉ.टीआर शर्मा, केन्द्र प्रमुख डॉ. व्हीके वर्मा, वैज्ञानिक डॉ.एसके तिवारी, श्री आरडी बारपेटे सहित विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों से आए वरिष्ठ वैज्ञानिक, बैतूल जिले के कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, नाबार्ड, इफको, बीज निगम, बायफ आदि विभागों के विभाग प्रमुख प्रतिनिधि, प्रगतिशील कृषक सहित 43 सदस्य उपस्थित थे।

विधिक साक्षरता शिविर सम्पन्न

हरदा (निप्र)। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्री अरविंद रघुवंशी के निर्देशन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री चंद्रशेखर राठौर के मार्गदर्शन में गुरूवार को पिनेकल ऐकेडमी, हरदा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री चंद्रशेखर राठौर ने बताया कि बाल अधिकार जागरूकता अभियान बच्चों के अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा को बढ़ावा देने, बाल यौन शोषण,बाल विवाह, बाल श्रम आदि के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए है।

नशा उन्मूलन हेतु शुरू की गई एक पहल

उन्होने बताया कि नालसा ''डॉन स्कीम'' राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा द्वारा नशा उन्मूलन हेतु शुरू की गई एक पहल है। इसका उद्देश्य, विशेष रूप से युवा व किशोरों में नशीले पदार्थों के उपयोग के विरूध्द जागरूकता बढ़ाना और नशे के शिकार लोगों को कानूनी सहायता और कल्याणकारी सेवाएं प्रदान करना है। उन्होने नालसा योजना के उपबंधों की जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत ड्रग्स तस्करी एवं ड्रग्स पीड़ितों को जिला प्राधिकरण के द्वारा आवश्यक विधिक सेवा उपलब्ध करायी जाती है। योजना के तहत ड्रग्स पीड़ितों को पहचानने, उनका उपचार करने तथा नशा मुक्ति के बाद उनके पुनर्वास में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं को गतिमान कराया जाता है। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री सौरभ कुमार दुबे ने बच्चों को मौलिक अधिकार और कर्तव्यों के बारे में बताया कि मौलिक अधिकार, जैसे समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार आदि व्यक्ति के विकास के लिए आवश्यक हैं। वहीं, मौलिक कर्तव्य जैसे संविधान का पालन करना, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना, देश की रक्षा करना, नागरिकों के सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्व हैं। जवाबदेही और मानवाधिकारों के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होने मैत्रीपूर्ण विधिक सेवा योजना के तहत पॉक्सो एक्ट, मध्यप्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, नालसा लैंगिक हमलों व अन्य अपराधों की पीड़िताओं सर्वाईवर्स महिलाओं के लिए प्रतिकर योजना की जानकारी उपस्थितजनों को दी। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री दुबे ने बताया कि कोई भी पात्र व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा या अन्य विधिक सेवा संस्थान में उपस्थित होकर, पत्र के माध्यम से या नालसा पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर अथवा 15100 पर कॉल कर विधिक सहायता सलाह आसानी से प्राप्त कर सकता है।

जीवन और प्रकृति की निरंतरता के आधार हैं वृक्ष : कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत कलेक्टर ने बच्चों के साथ किया पौधारोपण

कलेक्टर के साथ पौधारोपण कर बच्चे हुए प्रफुल्लित

नर्मदापुरम (निप्र)। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत आज कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने कलेक्टर निवास परिसर में द चैंप्स फन स्कूल नर्मदापुरम की प्राथमिक शाला के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर पौधारोपण किया। इस दौरान कलेक्टर ने सभी बच्चों से आत्मीय परिचय प्राप्त किया और उन्हें पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया। पोधारोपण करते समय बच्चों ने एक गीत की सुमधुर प्रस्तुती भी दी। कलेक्टर ने बच्चों के साथ मिलकर नीम, तुलसी, गुडबेल, पीपल सहित कई औषधीय एवं पर्यावरणीय दृष्टि से उपयोगी पौधों का रोपण किया। उन्होंने बच्चों को बताया कि औषधीय पौधे न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं बल्कि यह वातावरण को भी शुद्ध करते हैं। पौधों से प्राप्त ऑक्सीजन मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है और यह प्राकृतिक जीवन चक्र को संतुलित बनाए रखने में सहायक होती है। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। ये वातावरण से हानिकारक कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। साथ ही किसी भी क्षेत्र में वर्षा चक्र के संचालन और भूमिगत जल स्तर बनाए रखने में भी पेड़-पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि हम सभी को वृक्षारोपण करते रहना चाहिए साथ ही उनकी देखभाल करना भी हमारा कर्तव्य है। कलेक्टर के साथ पौधारोपण कर बच्चे भी प्रफुल्लित हुए और सभी ने खुलकर उनसे खूब संवाद किया। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए बताया कि वृक्षारोपण केवल एक पर्यावरणीय कार्य नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवनदायी उपहार है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

दस्तक अभियान के तहत चिन्हित सभी कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती कराएं

अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने अधिकारियों को दिये निर्देश

हरदा (निप्र)। दस्तक अभियान के तहत चिन्हित कुपोषित बच्चों को एन.आर.सी. में भर्ती कराया जाए। सभी गर्भवती महिलाओं का प्रथम त्रैमास में ही शतप्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करें। सभी हाई रिस्क महिलाओं की पहचान कर उनका नियमित प्रबन्धन करें तथा नियमित रूप से फालोअप भी लें। यह निर्देश जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रवीण इवने ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह, डीएचओ डॉ. सुनिल द्विवेदी, प्रमुख खण्ड चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारी, ए.एन.एम., सीएचओ उपस्थित थे।

गर्भवती महिलाओं व बच्चों का टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए

बैठक में श्री इवने ने निर्देशित किया कि गर्भवती महिलाओं व बच्चों का शतप्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। शिशु मृत्यु के कारणों की पहचान अनिवार्य रूप से की जाए ताकि शिशु मृत्यु के कारणों का निराकरण किया जा सके। टेलीकंसल्टेंसी के लिये सभी चिकित्सकों की आईडी तैयार की जाए ताकि नागरिकों को टेलीकंसल्टेंसी के माध्यम से सही चिकित्सकीय सलाह व उपचार मिल सके। उन्होने बैठक में दस्तक अभियान के तहत किये जा रहे कार्यों की भी जानकारी अधिकारियों से ली। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सिंह ने दस्तक पोर्टल पर एन्ट्री न करने पर खिरकिया के बीपीएम को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिये। उन्होने एसएनसीयू में भर्ती बच्चों का आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से कम्यूनिटी फालोअप शतप्रतिशत बढ़ाने के निर्देश दिये।

‘पति पत्नी और वो 2’ की शूटिंग के दौरान हंगामा

बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग अक्सर लोगों के लिए उत्साह और जिज्ञासा का कारण बनती है। जब किसी बड़े स्टार की फिल्म किसी शहर में शूट हो रही होती है, तो वहां का माहौल अचानक बदल जाता है। कुछ लोगों के लिए यह मनोरंजन का अवसर होता है, तो कुछ के लिए परेशानी। हाल ही में प्रयागराज के सिविल लाइंस क्षेत्र में आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की आने वाली फिल्म पति पत्नी और वो 2 की शूटिंग के दौरान ऐसा ही कुछ देखने को मिला, जब माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया और एफआईआर तक दर्ज हुआ।बुधवार को शूटिंग के समय की एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आई, जिसमें कुछ स्थानीय युवाओं को फिल्म की टीम के एक सदस्य के साथ मारपीट करते हुए देखा गया। बताया गया कि पीड़ित सदस्य फिल्म के प्रोडक्शन हेड जोहेब सोलापुरवाला थे। एक और वीडियो में आयुष्मान और सारा अली खान को किसी के साथ बहस करते हुए भी देखा गया। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, घटना तब शुरू हुई जब कुछ लोग मोबाइल से फिल्म की शूटिंग रिकॉर्ड करने लगे। प्रोडक्शन टीम ने इसका विरोध किया और इसी दौरान विवाद बढ़ गया। दो-तीन युवकों ने अचानक टीम के सदस्य को घेर लिया और थप्पड़ जड़ दिए।शुक्रवार को सिविल लाइंस थाने में इस मामले की स्नढ्ढक्रदर्ज की गई। शिकायत लाइन प्रोड्यूसर सौरभ तिवारी ने दर्ज कराई। आरोप है कि स्थानीय युवक मेराज अली ने वीडियो रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और अन्य अज्ञात लोगों की पहचान की जा रही है। डीसीपी (सिटी) अभिषेक भारती ने बताया कि शूटिंग टीम को सुरक्षा मुहैया कराई गई है। ट्रैफिक नियंत्रण के लिए पहले से पुलिस मौजूद थी, लेकिन कुछ लड़के वीडियो बना रहे थे, जिससे झगड़ा शुरू हो गया। मामला अब आईटी एक्ट 2008 की धारा 66 और आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया है।सूत्रों के अनुसार, जिस दिन यह विवाद हुआ, उस समय बड़ी संख्या में लोग शूटिंग देखने जमा हो गए थे। शहर के सिविल लाइंस इलाके में मौजूद ऑल सेंट्स कैथेड्रल चर्च के पास शूटिंग चल रही थी। इसके लिए सड़क की एक लेन को बंद कर दिया गया था, जिससे भीषण ट्रैफिक जाम लग गया। जाम और भीड़ से परेशान कुछ लोग गुस्से में आ गए और उन्होंने वहां हंगामा खड़ा कर दिया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि शूटिंग के दौरान अचानक कुछ युवक आए और उन्होंने एक क्रू मेंबर को मारना शुरू कर दिया।

शुभांगी अत्रे ने मनाया अपनी दादी मां का 100वां जन्मदिन

एण्डटीवी के शो ‘भाबीजी घर पर हैं’ में अंगूरी भाबी के अपने आइकॉनिक किरदार के लिए मशहूर शुभांगी अत्रे ने हाल ही में अपनी दादीमां के 100वें जन्मदिन का जश्न मनाया। यह उनके जीवन के सबसे यादगार पलों में से एक था। शुभांगी अपनी दादी के बेहद करीब हैं और उनका मानना है कि अपनी दादी का 100वां जन्मदिन मनाना उनकी खुशनसीबी है। उन्होंने कहा कि उनकी दादी पूरे परिवार के लिए शक्ति और प्रेरणा का असली स्तंभ हैं।शुभांगी ने अपनी भावनाएं जाहिर करते हुए कहा, “दादी मां का 100वां जन्मदिन मनाना किसी वरदान से कम नहीं है। मेरी प्यारी दादी ने सब कुछ देखा है-युद्ध, नए आविष्कार, सांस्कृतिक बदलाव, बॉलीवुड का सुनहरा दौर और यहां तक कि सोशल मीडिया और टिकटॉक का उदय भी! वह हमारे परिवार की असली ‘इन्फ्लुएंसर’ हैं, जो अपनी समझ, प्यार और ताकत से हमें हमेशा मार्गदर्शन देती हैं। उनका एक सदी का सफर हमें हर दिन प्रेरित करता है और दृढ़ता और सकारात्मकता की ताकत याद दिलाता है। मैं बस यही कहना चाहूंगी कि यह सिर्फ आपके लिये ही नहीं बल्कि हम सभी के लिये एक बहुत बड़ी उपलब्धि है और जश्न का मौका है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूँ कि मैं आपकी पोती हूँ। दादी, आपको 100वां जन्मदिन बहुत-बहुत मुबारक हो!“ अपनी पसंदीदा अभिनेत्री ‘शुभांगी अत्रे’ को अंगूरी भाबी का किरदार निभाते देखिये, ‘भाबीजी घर पर हैं’ में, रात 10:30 बजे, हर सोमवार से शुक्रवार, सिर्फ एण्डटीवी पर!

अनुपमा के 5 साल पूरे होने पर रूपाली गांगुली ने दी भावुक प्रतिक्रिया

रूपाली गांगुली ने अनुपमा को लेकर एक इमोशनल नोट शेयर किया। उन्होंने कहा, फ्रमेरे लिए अनुपमा मेरे पापा का सपना पूरा होना है, मेरी मम्मा का सपना पूरा होना है। ये मेरे पेरेंट्स की ब्लेसिंग है; ये मेरे पति की ख्वाहिश है कि मुझे नई पहचान मिले। ये शो मेरी चाहत नहीं बल्कि मेरी ज़रूरत था, और ये शो मैंने मांगा था। भगवान ने राजन शाही के ज़रिए मुझे ये शो दिया। अनुपमा मेरे लिए आत्म-सम्मान है

स्टार प्लस के लोकप्रिय शो अनुपमा ने हाल ही में टीवी पर शानदार पांच साल पूरे कर लिए, जो इसके जबरदस्त प्रभाव और लोकप्रियता को दिखाता है। ऐसे में मेकर्स ने इस खास मौके का जश्न मनाने के लिए एक छोटा से गेट टुगेदर का आयोजन किया। इसमें कास्ट और मीडिया मौजूद था। इवेंट के दौरान, प्रोड्यूसर राजन शाही की मां दीपा शाह का ज़िक्र किया गया, जिन्होंने अनुपमा की दिल छू लेने वाली कहानी लिखी है। अनुपमा का किरदार निभाने वाली रुपाली गांगुली ने इस मौके पर अपना आभार व्यक्त किया। इतना ही नहीं रुपाली ने कहा कि दीपा शाह ही इस शो का मूल, आधार और प्रेरणा हैं।इस मौके पर रूपाली गांगुली ने अनुपमा को लेकर एक इमोशनल नोट शेयर किया। उन्होंने कहा, मेरे लिए अनुपमा मेरे पापा का सपना पूरा होना है, मेरी मम्मा का सपना पूरा होना है। ये मेरे पेरेंट्स की ब्लेसिंग है; ये मेरे पति की ख्वाहिश है कि मुझे नई पहचान मिले। ये शो मेरी चाहत नहीं बल्कि मेरी ज़रूरत था, और ये शो मैंने मांगा था। भगवान ने राजन शाही के ज़रिए मुझे ये शो दिया। अनुपमा मेरे लिए आत्म-सम्मान है, अनुपमा मेरे लिए आत्म-प्रेम है, अनुपमा मेरे लिए आत्म-विश्वास है, जो मेरी जिंदगी के बहुत संघर्ष भरे दिनों के बाद आया। इस तरह से उनके शब्दों ने सिर्फ व्यक्तिगत आभार ही नहीं व्यक्त किया है, बल्कि उस गहरे कनेक्शन को पर भी रोशनी डाली है, जो वो इस किरदार से साझा करती हैं और जिसने लाखों दिलों को छुआ है। शुरुआत से ही, अनुपमा देश भर के दर्शकों के लिए एक इमोशन की तरह रहा है और सिर्फ एक टीवी शो नहीं है। इस शो ने कई स्टीरियोटाइप तोड़े हैं और इंडियन टेलीविजन ड्रामाज के लिए अपनी शानदार कहानी, बेहतरीन किरदार और जबरदस्त प्रदर्शन के कारण नए स्टैंडर्ड सेट किए हैं। जैसे-जैसे अनुपमा शो हर साल आगे बढ़ रहा है, इसकी कहानी दर्शकों को लगातार आकर्षित कर रही है। यही कारण है कि आज भी स्टार प्लस पर ये शो सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। देखिए अनुपमा हर रोज रात 10 बजे स्टार प्लस पर।

एल्विश यादव और माहिरा का रोमांटिक वीडियो हुआ वायरल

फेमस यूट्यूबर एल्विश यादव और एक्ट्रेस माहिरा शर्मा का रोमांटिक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।डेटिंग की अफवाहों के बीच एल्विश ने साफ किया कि यह सिर्फ एक प्रमोशनल रील थी, कोई रियल रिलेशन नहीं।फेमस यूट्यूबर और टीवी स्टार एल्विश यादव आज किसी पहचान के मोहताज नही हैं। एल्विश यादव अक्सर सोशल मीडिया पर सुर्खियों में रहते हैं। अब हाल ही में एल्विश यादव का माहिरा शर्मा के साथ एक वीडियो शेयर किया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है, जिसके बाद उनकी डेटिंग की अफवाहें उड़ने लगी हैं। एल्विश ने स्पष्ट किया कि यह सिर्फ ‘एक दीवाने की दीवानियत’ के गाने के लिए एक प्रमोशनल रील थीदरअसल, अब वायरल वीडियो पर एल्विश यादव ने माहिरा शर्मा के साथ डेटिंग की अफवाहों को खारिज करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। उन्होंने फैन्स से उनके वायरल ‘रोमांटिक’ वीडियो को ज्यादा सीरियस न लेने के लिए कहा और बताया कि डेटिंग की अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक प्रमोशनल रील थी जो उन्होंने साथ में शूट की थी। हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर वीडियो के बारे में नहीं लिखा, लेकिन उन्होंने लिखा, ‘प्रमोशनल रील है दोस्तों इतना सीरियस मत हुआ करो।’बता दें, एल्विश यादव के इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में वे और माहिरा शर्मा एक-दूसरे का हाथ थामे बगीचे में रोमांटिक सैर करते दिख रहे हैं। वे माहिरा को एक फूल भी देते नजर आए और उनकी केमिस्ट्री लाजवाब थी।यह देखते ही देखते वायरल हो गया! वीडियो में वे रोमांटिक पोज देते और हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की आने वाली फिल्म ‘ एक दीवाने की दीवानियत ‘ के गाने ‘दीवानियत’ को रीक्रिएट करते नजर आए। रोल प्ले करने वाले हर्षवर्धन राणे ने प्रमोशनल रील के लिए एल्विश को धन्यवाद दिया। उन्होंने पोस्ट पर कमेंट किया- धन्यवाद सर। फैन्स का ध्यान एल्विश के कैप्शन ने खींचा, जिसमें उन्होंने खुद को ‘रोमांटिक राव साहब’ कहा। इस वीडियो के बाद उनके रोमांस की अफवाहें उड़ीं और फैन्स सोचने लगे कि क्या वे डेटिंग कर रहे हैं। एल्विश ने अब सफाई देते हुए कहा है कि यह सिर्फ एक प्रमोशनल रील थी।एल्विश यादव बिग बॉस ओटीटी 2 के विनर बनने के बाद उन्होंने बतौर मेंटर एमटीवी शो ‘रोडीज’ भी जीता। इस शो के बाद वह कलर्स के फेमस ‘लाफ्टर शेफ-2’ का भी हिस्सा बने, जहां उनकी जोड़ी करण कुंद्रा के साथ बनी।

विशाल-अंशुल की एक दीवाने की दीवानियत के टाइटल ट्रैक से इंटरनेट पर धूम मचाई

फिल्म एक दीवाने की दीवानियत का टाइटल ट्रैक दीवानियत, जिसे विशाल मिश्रा ने गाया है, इंटरनेट पर काफी लोकप्रिय हो गया है। हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा अभिनीत इस फिल्म का टीज़र हाल ही में रिलीज़ हुआ था, जिसने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है।

यह गाना म्यूजिक लेबल प्ले डीएमएफ के संस्थापक अंशुल गर्ग का बतौर निर्माता पहला फिल्मी गीत है। उन्होंने पहले भी कई हिट गाने दिए हैं। दीवानियत गाने से पहले, विशाल मिश्रा और अंशुल गर्ग की जोड़ी ने मांझा जैसे सफल गाने दिए हैं। गाने के पूरी तरह से रिलीज़ होने से पहले ही, यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और इसके कई फैन एडिट्स बन रहे हैं।

इस गाने को मिली ज़बरदस्त प्रतिक्रिया पर अंशुल गर्ग कहते हैं, दीवानियत मेरे लिए बहुत खास है, क्योंकि यह बतौर फिल्म निर्माता मेरा पहला गाना है। रिलीज़ से पहले ही जो प्यार मिला है, वो बेहद खास है। दर्शकों का यह उत्साह दिखाता है कि कहानी को कहने में संगीत कितना महत्वपूर्ण है। मुझे यकीन है कि जब दर्शक पूरा गाना सुनेंगे तो इसे और भी पसंद करेंगे।विशाल मिश्रा भी अंशुल से सहमत हैं। वे कहते हैं, मैंने बहुत सारे फिल्मी गाने गाए हैं, लेकिन बहुत कम गानों को रिलीज़ से पहले इतना प्यार मिला है। दीवानियत को मिला प्यार ही सब कुछ कह देता है। अब मैं दर्शकों के पूरे गाने को सुनने और उनकी प्रतिक्रिया जानने का इंतज़ार कर रहा हूँ।

मिलाप मिलन ज़वेरी द्वारा निर्देशित और राघव शर्मा के सह-निर्माण में बनी एक दीवाने की दीवानियत एक गहरी प्रेम कहानी है। यह फिल्म इस दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

डीपीएल 2025:

नीतीश राणा ने 42 गेंदों में ठोका शतक, लगाए 15 छक्के

➢ दिग्वेश राठी से आ गई मारपीट की नौबत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रीमियर लीग 2025 एलिमिनेटर मुकाबले में वेस्ट दिल्ली लायंस के कप्तान नीतीश राणा का बल्ला जमकर चला. साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के खिलाफ उन्होंने केवल 42 गेंदों में शतक ठोककर अपनी टीम को इस लीग के क्वालिफायर-2 में पहुंचा दिया. इस दौरान उन्होंने 15 छक्के ठोक दिए. इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलने वाले नीतीश राणा ने मैच के दौरान किसी भी गेंदबाज को नहीं छोड़ा और उनकी जमकर पिटाई की. इसी बीच साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के स्पिनर दिग्वेश राठी ने उनकी लड़ाई भी हो गई. इस दौरान मारपीट की भी नौबत आ गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए एलिमिनेटर मुकाबले में पहले बल्लेबाज करते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 201 रन बनाए. इसके जवाब में वेस्ट दिल्ली लायंस ने 17 गेंद शेष रहते सात विकेट से मुकाबला जीत लिया. वेस्ट दिल्ली के कप्तान नीतीश राणा ने केवल 42 गेंदों में शतक ठोककर इस मैच को बिल्कुल एकतरफा कर दिया. उन्होंने 55 गेंदों में 8 चौके और 15 छक्कों की मदद से नाबाद 134 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने साउथ दिल्ली के सभी गेंदबाजों की खूब पिटाई की. नीतीश ने दिग्वेश राठी के एक ओवर में लगातार 3 छक्के ठोक दिए. इस ओवर में दिग्वेश राठी ने 20 रन खर्च कर दिए. नीतीश राणा के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज क्रिस यादव 22 गेंदों में 1 चौका और 3 छक्कों की मदद से 31 रन बनाए. मयंक गोसाईं ने नाबाद 15 रन बनाए. साउथ दिल्ली की ओर से सुमित कुमार बेनीवाल ने दो विकेट हासिल किए. अमन भारती को एक विकेट मिला. इससे पहले साउथ दिल्ली के बल्लेबाजों ने शानदार बैटिंग की. वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने अच्छी शुरुआत की. सलामी बल्लेबाज अंकुर कौशिक (16) और अनमोल शर्मा ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई. इन दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 44 गेंदों पर 67 रन लिए. इसके बाद अंकुर कौशिक पवेलियन लौट गए. 76 के स्कोर पर टीम को दूसरा झटका कुंवर बिधूड़ी के रूप में लगा. वो केवल 6 रन ही बना पाए. इसके बाद अनमोल शर्मा भी आउट हो गए. अनमोल ने 39 गेंदों में 7 चौके और 2 छक्कों की मदद से 55 रन बनाए. इसके बाद कप्तान तेजस्वी दहिया और सुमित माथुर ने तेजी से रन बनाने शुरू किए और टीम को बड़े स्कोर तक ले गए. तेजस्वी दहिया ने 33 गेंदों में 2 चौके और 6 छक्कों की मदद से 60 रनों की शानदार पारी खेली. सुमित माथुर ने 26 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से नाबाद 48 रन बनाए. इनकी शानदार बल्लेबाजी की मदद से साउथ दिल्ली ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 201 रन बनाए. वेस्ट दिल्ली लायंस की ओर से ऋतिक शौकिन ने दो विकेट हासिल किए. शुभम दुबे, शिवांक वशिष्ट और अनिरुद्ध चौधरी ने एक-एक विकेट लिया. वेस्ट दिल्ली लायंस की बैटिंग के दौरान नीतीश राणा और दिग्वेश राठी की लड़ाई हो गई.

जब मैदान में भिड़ गए नीतीश राणा और दिग्वेश राठी

वेस्ट दिल्ली लायंस की पारी के दौरान कप्तान नीतीश राणा तेजी से रन बना रहे थे. उन्होंने साउथ दिल्ली के स्पिनर दिग्वेश राठी में तेजी से रन बनाए. इस दौरान उनके एक ओवर में लगातार 3 छक्के लगाए. इससे दिग्वेश राठी बौखला गए थे. इस दौरान दिग्वेश राठी गेंदबाजी करने के लिए आते हैं. नीतीश राणा स्ट्राइक पर थे. दिग्वेश ने गेंदबाजी के लिए चले, लेकिन वो गेंद को हाथ से नहीं छोड़ा. इस गेंद पर नीतीश स्विप शॉट लगाना चाहते थे. अगली गेंद पर जैसे ही दिग्वेश गेंदबाजी करने वाले थे, वैसे ही नीतीश पीछे हट गए. इसके बाद दोनों में बहस शुरू हो गई. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

दिग्वेश ने लुटाए इतने रन

वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ दिग्वेश राठी ने खूब रन लुटाए. उन्होंने 2 ओवर में 39 रन दे दिए. इसके बाद उन्होंने गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला.

एशिया कप:

एशिया कप 2025 के मैच की बदल गई टाइमिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2026 की शुरुआत 9 सितंबर से यूएई में होगी और इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 28 सितंबर को खेला जाएगा। ये टूर्नामेंट इस बार टी20 प्रारूप में खेला जाएगा और इसके मैच की शुरुआत शाम 7.30 बजे होनी थी, लेकिन एक रिपोर्ट के मुताबिक अब मैच के समय में बदलाव किया जा सकता है।

7.30 की जगह रात 8 बजे से शुरू हो सकता है मैच

रिपोर्ट के मुताबिक एशिया कप 2025 के मैचों की शुरुआत अब शाम 7.30 बजे की जगह रात 8 बजे से किया जा सकता है। ऐसा फैसला यूएई में काफी गर्म कंडीशन को देखते हुए लिया गया है। अब तक जो शेड्यूल सामने आया है उसके मुताबिक सारे के सारे मैच शाम 7.30 बजे से खेले जाएंगे। वैसे मैच अब रात 8 बजे शुरू होगा इसको लेकर एशियन क्रिकेट काउंसिल की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है और ये अभी सिर्फ रिपोर्ट है।

19 मैचों का होगा आयोजन

एशिया कप 2025 में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इस बार लीग, सुपर 4 और फाइनल समेत कुल 19 मैच खेले जाएंगे। इस बार ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई को रखा गया है जबकि ग्रुप बी में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, हांगकांग और श्रीलंका की टीमें हैं। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप मैच 14 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा।

एशिया कप का ऐसा होगा फॉर्मेट

इस बार प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें सुपर फोर के लिए क्वालीफाई करेंगी। फिर सुपर फोर में प्रत्येक टीम अन्य तीन टीमों से एक-एक बार भिड़ेगी। सुपर फोर चरण की दो टीमें फाइनल खेलेंगी। ऐसे में भारत और पाकिस्तान एशिया कप में तीन बार तक भिड़ सकते हैं। हालांकि उनका ग्रुप चरण का मुकाबला 14 सितंबर को होना है, लेकिन अगर वे दोनों सुपर फोर चरण के लिए एक साथ क्वालीफाई करते हैं, तो वे 22 सितंबर को एक बार फिर भिड़ सकते हैं।

एशिया कप 2025 का पूरा कार्यक्रम (ग्रुप स्टेज)

9 सितंबर (मंगलवार)- अफगानिस्तान बनाम हांगकांग
10 सितंबर (बुधवार)- भारत बनाम यूएई
11 सितंबर (गुरुवार)- बांग्लादेश बनाम हांगकांग
12 सितंबर (शुक्रवार)- पाकिस्तान बनाम ओमान
13 सितंबर (शनिवार) -बांग्लादेश बनाम श्रीलंका
14 सितंबर (रविवार)- भारत बनाम पाकिस्तान
15 सितंबर (सोमवार)- श्रीलंका बनाम हांगकांग
16 सितंबर (मंगलवार)- बांग्लादेश बनाम अफगानिस्तान
17 सितंबर (बुधवार)- पाकिस्तान बनाम यूएई
18 सितंबर (गुरुवार) -श्रीलंका बनाम अफगानिस्तान
19 सितंबर (शुक्रवार)- भारत बनाम ओमान

सुपर 4 के मुकाबले का शेड्यूल

20 सितंबर (शनिवार)- ग्रुप बी क्वालिफायर 1 बनाम ग्रुप बी क्वालिफायर 2, 21 सितंबर (रविवार)- ग्रुप ए क्वालिफायर 1 बनाम ग्रुप ए क्वालिफायर 2, 22 सितंबर (सोमवार)- कोई मैच नहीं होगा. 23 सितंबर (मंगलवार)- ग्रुप ए क्वालिफायर 1 बनाम ग्रुप बी क्वालिफायर 2

24 सितंबर (बुधवार)- ग्रुप बी क्वालिफायर 1 बनाम ग्रुप ए क्वालिफायर 2. 25 सितंबर (गुरुवार)- ग्रुप ए क्वालिफायर 2 बनाम ग्रुप बी क्वालिफायर 2. 26 सितंबर (शुक्रवार)- ग्रुप ए क्वालिफायर 1 बनाम ग्रुप बी क्वालिफायर 1. 27 सितंबर (शनिवार)- कोई मैच नहीं होगा

फाइनल मैच का शेड्यूल: 28 सितंबर (रविवार)- फाइनल मैच

➤ बीडब्ल्यूवर्ल्ड चैम्पियनशिप 2025

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने रचा इतिहास

➢ पीवी सिंधू मेडल से चूकीं

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस में खेली जा रही वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 में भारत का एक मेडल पक्का हो गया है. भारत के सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने इतिहास रचते हुए इस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है.

साल 2022 के बाद इस जोड़ी ने दूसरी बार इस चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है. अब ये जोड़ी इस चैंपियनशिप में अपने मेडल के कलर को बदलना चाहेगी. उधर, भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू मेडल से चूक गई. उन्हें क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है. पीवी सिंधू वर्ल्ड चैंपियनशिप में अब तक 5 मेडल जीत चुकी हैं. भारत के सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया. पुरुष के डबल्स मुकाबले में इस जोड़ी ने मलेशियाई जोड़ी आरोन चिया और सोह वूई यिक को 21-12, 21-19 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली. इसके साथ ही उन्होंने मलेशियाई जोड़ी से पेरिस ओलंपिक के क्वार्टरफाइनल और साल 2022 में वर्ल्ड चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में मिले हार का बदला भी ले लिया है.

इससे पहले सात्विक और चिराग ने साल 2022 में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी. जहां उन्हें सेमीफाइनल में मलेशियाई जोड़ी आरोन चिया और सोह वूई यिक से हार का सामना करना पड़ा था. इसकी वजह से इस जोड़ी को ब्रांज मेडल से ही संतोष करना पड़ा था, लेकिन इस बार दोनों खिलाड़ी अपने मेडल के कलर को हर हाल में बदलना चाहेंगे. उधर, भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को क्वार्टरफाइन में हार का सामना करना पड़ा.

पीवी सिंधु का सफर हुआ खत्म

पीवी सिंधु का छठा वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में छठा पदक जीतने का सपना क्वार्टरफाइनल में टूट गया. क्वार्टरफाइनल में सिंधु को इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वर्दानी के खिलाफ कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा. राउंड ऑफ-16 में दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी चाइना की वांग जी यी को केवल 48 मिनट में 21-19, 13-21, 21-15 से हराकर चौंकाने के बाद, सिंधु ने वर्दानी के सामने पहला गेम 14-21 से गंवा दिया, लेकिन दूसरे गेम में 21-13 से दबदबा बनाकर मैच बराबरी पर ला दिया. निर्णायक गेम में पुत्री कुसुमा वर्दानी ने नियंत्रण हासिल कर लिया, जिससे सिंधु की हार तय हो गई और जोरदार वापसी के बावजूद भारतीय स्टार पदक की दौड़ से बाहर हो गईं. पीवी सिंधु को इस मुकाबले में 14-21, 21-13, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा.

बात संजू सैमसन के ट्रेड की हो रही थी, लेकिन राजस्थान रॉयल्स से विदा हो गए राहुल द्रविड़

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की राहें जुदा हो गई हैं। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पर शनिवार (30 अगस्त) को इसकी जानकारी दी। उसने यह भी बताया कि मुख्य कोच के बजाय उन्हें कोई और पद संभालने की पेशकश की गई थी, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया। राहुल द्रविड़ बीते साल भारतीय टीम के मुख्य कोच के पद से हटने के बाद आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स से वापस जुड़े थे। द्रविड़ की 1 सीजन बाद ही मुख्य कोच के पद से ऐसे समय छुट्टी हुई है जब फ्रेंचाइजी और कप्तान संजू सैमसन के बीच सबकुछ ठीक न होने की बातें चल रही थीं। ऐसी खबरें आई थीं कि संजू ने राजस्थान रॉयल्स से ट्रेड या रिलीज करने को कह दिया था। राहुल द्रविड़ के पद से हटने की जानकारी देते हुए फ्रेंचाइजी ने कहा, राजस्थान रॉयल्स ने आज घोषणा करती है कि मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का आईपीएल 2026 से पहले फ्रेंचाइजी के साथ कार्यकाल समाप्त होगा। राहुल कई वर्षों से रॉयल्स के सफर के केंद्र में रहे हैं। उनके नेतृत्व ने खिलाड़ियों की एक पीढ़ी को प्रभावित किया है, टीम में मजबूत मूल्यों का संचार किया है और फ्रेंचाइजी की संस्कृति पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

द्रविड़ ने बड़े पद की पेशकश को ठुकराया

राजस्थान रॉयल्स ने कहा, फ्रेंचाइजी की संरचनात्मक बदलाव के तहत राहुल को फ्रेंचाइजी में एक बड़े पद की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी और दुनियाभर के लाखों प्रशंसक फ्रेंचाइजी के लिए उनकी उल्लेखनीय सेवा के लिए राहुल को हार्दिक धन्यवाद देते हैं।

आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन खराब

आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स का प्रदर्शन खराब रहा। वह 14 में 4 मैच जीतकर 9 स्थान पर रही। संजू सैमसन चोट के कारण कई मैचों में इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेले। हालांकि, फ्रेंचाइजी के वैभव सूर्यवंशी जैसा होनहार खिलाड़ी मिला।

Duleep Trophy: भारत के वर्ल्ड चैंपियन कप्तान ने जड़ा ताबड़तोड़ शतक, फर्स्ट क्लास करियर की 8वीं सेंचुरी ठोकी

नई दिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी के पहले क्वार्टर फाइनल के तीसरे दिन शनिवार (30 अगस्त) को ईस्ट जोन के खिलाफ नॉर्थ जोन की दूसरी पारी में भारत के अंडर-19 वर्ल्ड कप चैंपियन कप्तान यश ढुल ने बेहतरीन शतक जड़ा। दिल्ली के इस खिलाड़ी ने 112 गेंदों पर ताबड़तोड़ शतक जड़ा। 22 साल के ढुल ने 31वें मैच में फर्स्ट क्लास करियर का 8वां शतक जड़ा। 90 रन के बाद ढुल थोड़े दबाव में दिखे। कई बार वह शॉट लगाने की कोशिश में बचे। ऐसा खासकर मोहम्मद शमी के खिलाफ हुआ।

अच्छी बात यह रही कि वह आउट नहीं हुए। ढुल और कप्तान अंकित कुमार 150 रनों से ज्यादा की साझेदारी करके क्रीज पर डटे हुए हैं। नॉर्थ जोन के पास लगभग 400 की बढ़त है। ढुल ने 1 रन लेकर शतक पूरा किया। इस दौरान अपनी पारी के दौरान 11 चौके और दो छक्के लगाए हैं और 48 रन जीवनदान मिलने के अलावा उन्होंने शायद ही कोई गलती की हो। ढुल ने पहली पारी में 39 रन बनाए थे। नॉर्थ जोन की पहली पारी में 405 रन के जवाब में ईस्ट जोन 230 रन पर आउट हो गई।

रैना ने किया 2027 वनडे विश्व कप के लिए रोहित और विराट का समर्थन, कहा- उनके पास काफी अनुभव

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना ??है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों को 2027 के वनडे विश्व कप में खेलना चाहिए क्योंकि वे न केवल पहले खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे है बल्कि उनके पास इस बड़े टूर्नामेंट के लिए आवश्यक अनुभव भी है। दोनों खिलाड़ी टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके हैं लेकिन वे वनडे विश्व कप जीतने का सपना अभी भी पूरा कर सकते है।

रोहित और विराट के भारतीय टीम में भविष्य को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही है। अटकलें इस पर भी है कि दो साल बाद होने वाले विश्व कप में वे भारतीय टीम का हिस्सा होंगे या नही। विश्व कप शुरू होने तक रोहित 40 साल के हो जाएंगे जबकि विराट 39 साल के। दोनों

को वनडे विश्व कप में खेलने के लिए भारतीय टीम द्वारा खेले जाने वाले एकदिवसीय मैचों में नियमित रूप से हिस्सा लेना होगा। रैना ने कहा, रोहित और कोहली को 2027 का वनडे विश्व कप खेलना चाहिए क्योंकि उन्होंने टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीती है। रोहित और विराट दोनों के पास बहुत अनुभव है। मुझे लगता है कि वे 2027 के विश्व कप में जरूर खेलेंगे। उन्हें खेलना चाहिए।

रोहित और विराट दोनों के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली भारत की आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में खेलने की संभावना है। इस दौरे के बाद भारतीय टीम नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला भी खेलेगी। रोहित और विराट ने इन दोनों श्रृंखलाओं की तैयारी शुरू कर दी है।

भारत के इस खूंखार गेंदबाज ने जब 6 गेंदों पर चटका दिए 6 विकेट...

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट ऐसा रोमांचक खेल है जहां हर गेंद पर तस्वीर बदल सकती है, वहीं कभी-कभी ऐसा भी हो जाता है जिसे सुनकर यकीन करना मुश्किल हो जाए। ऐसा ही एक चमत्कार हुआ था साल 2021 में, जब युवा गेंदबाज़ हर्षित सेठ ने क्रिकेट की परंपराओं को चौंकाते हुए लगातार 6 गेंदों पर 6 विकेट चटका दिए।

कौन है ये करिश्माई गेंदबाज़?

यह कमाल किसी दिग्गज इंटरनेशनल खिलाड़ी ने नहीं, बल्कि भारतीय मूल के 20 वर्षीय स्पिनर हर्षित सेठ ने अंजाम दिया, जो संयुक्त अरब अमीरात के लिए खेलते हैं। बाएं हाथ के इस फिरकी गेंदबाज़ ने कारवां अंडर-19 ग्लोबल टी20 लीग में यह अद्भुत उपलब्धि हासिल की थी।

क्या हुआ था उस मैच में?

मैच खेला गया था ॅश्व के अजमान शहर में, जहां हर्षित की टीम DCC Starlets ने पहले

बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 137/6 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम हैदराबाद हॉक्स ने शानदार शुरुआत की थी और स्कोरबोर्ड पर 12/0 था। लेकिन तभी आए हर्षित सेठ -- और तूफान बन गए। उन्होंने अपने पहले ओवर की आखिरी 4 गेंदों पर 4 विकेट लिए, और फिर अगले ओवर की पहली दो गेंदों पर दो विकेट झटक कर कर दी डबल हैट्रिक पूरी। कुछ ही मिनटों में स्कोर 12/0 से 16/9 हो गया।

प्रदर्शन जिसने हिला दिया सबको

हर्षित का फाइनल बॉलिंग फिगर था
4 ओवर, 2 मेडन, 4 रन, 8 विकेट
उनकी घातक गेंदबाज़ी के आगे विपक्षी टीम सिर्फ 44 रन पर ढेर हो गई और उनकी टीम ने मुकाबला 93 रन से जीत लिया।
कौन हैं हर्षित सेठ?
जन्म- 5 अगस्त 2005
मूल- भारतीय, लेकिन क्रिकेट में प्रतिनिधित्व संयुक्त अरब अमीरात का
प्रारंभिक उपलब्धि- 14 साल की उम्र में UAE अंडर-16 टीम में चयन
आखिरी अंडर-19 इंटरनेशनल मैच- 13 दिसंबर 2023, जापान के खिलाफ (2 विकेट)

क्यों खास है यह रिकॉर्ड?

क्रिकेट के इतिहास में लगातार 6 गेंदों पर 6 विकेट लेना लगभग नामुमकिन माना जाता है। न टेस्ट क्रिकेट में, न वनडे में और न ही टी20 में इस तरह की निरंतरता पहले किसी गेंदबाज़ ने दिखाई थी। यह उपलब्धि न केवल क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांच का विषय है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को यह संदेश देती है कि असंभव शब्द सिर्फ एक सोच है।

जब तक फायदेमंद है, तब तक रूसी तेल की हर बूंद खरीदेंगे, ओएनजीसी चेयरमैन की दो टूक

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी तेल एवं गैस कंपनी ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने शुक्रवार को साफ कहा कि उनकी समूह कंपनियां रूसी कच्चे तेल की खरीद और प्रसंस्करण तब तक जारी रखेंगी, जब तक यह आर्थिक और वाणिज्यिक दृष्टि से लाभकारी साबित होता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत सरकार की ओर से रूसी तेल आयात को रोकने या सीमित करने का कोई दबाव नहीं है। उन्होंने कहा कि रूसी तेल पर कोई प्रतिबंध नहीं है और जब तक भारत सरकार की ओर से कोई अन्य निर्देश नहीं मिलता तब तक ओएनजीसी समूह की रिफाइनरियां- हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) रूस से तेल खरीदने के लिए स्वतंत्र हैं। अरुण कुमार सिंह ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, जब तक यह आर्थिक रूप से फायदेमंद है, तब तक हम बाजार में उपलब्ध रूसी तेल की हर बूंद खरीदते रहेंगे। ओएनजीसी समूह की दोनों प्रमुख रिफाइनरी कंपनियां- एचपीसीएल और एमआरपीएल मिलकर लगभग 40 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की रिफाइनिंग क्षमता रखती हैं। इसके अलावा, एचपीसीएल की 11.3 एमटीपीए क्षमता की एक संयुक्त उद्यम रिफाइनरी मित्तल एनर्जी के साथ है। देश की कुल रिफाइनिंग क्षमता इस समय 258 एमटीपीए है।

ओएनजीसी विदेश रूस में फंसे 35 करोड़ डॉलर की निकासी में जुटी : इस बीच सार्वजनिक क्षेत्र की ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) को उम्मीद है कि रूस के साथ बैंकिंग चैनल खुलने और वेनेजुएला पर लगे प्रतिबंधों में छूट मिलने के बाद वह दोनों देशों से अपना अटका हुआ बकाया वसूल कर पाएगी। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) की विदेश निवेश इकाई ओवीएल के प्रबंध निदेशक राजर्षि गुप्ता ने शुक्रवार को बताया कि रूस में ओवीएल की तेल एवं गैस परिसंपत्तियों से मिले करीब 35 करोड़ डॉलर के लाभांश वहां के बैंकों में फंसे हुए हैं। वहीं, वेनेजुएला में भी प्रतिबंध लगने की वजह से करीब 60 करोड़ डॉलर की राशि अटकी हुई है। गुप्ता ने कहा कि रूस में स्थित परिसंपत्तियों से मिलने वाला लाभांश जुलाई, 2022 के बाद से स्थानांतरित नहीं हो पाया है हालांकि संचालन सुचारू रूप से जारी है। उन्होंने भरोसा जताया कि इस मसले का समाधान जल्द निकलेगा और कंपनी अपनी रकम वापस ला सकेगी। भारत की पेट्रोलियम कंपनियों ने रूस में कुल 5.46 अरब डॉलर का निवेश किया हुआ है। इनमें वैंकॉरनेफ्ट और तास-यूर्याख समेत कई तेल एवं गैस परियोजनाओं में हिस्सेदारी शामिल है। ओवीएल के पास वेनेजुएला के सान क्रिस्टोबल क्षेत्र में भी 40 प्रतिशत हिस्सेदारी है और कंपनी ने वहां भी बकाया वसूली के लिए प्रतिबंधों में छूट मांगी है।

भारत सरकार का रुखः जहां से सबसे अच्छा सौदा, वहां से तेल खरीद : भारत की सरकारी रिफाइनरियों को रूसी तेल आयात के संबंध में सरकार से कोई निर्देश या संकेत नहीं मिला है। इन रिफाइनरियों की रणनीति आर्थिक और व्यावसायिक विचारों पर आधारित है। भारत सरकार का रुख स्पष्ट है कि देश वहां से तेल खरीदेगा, जहां से उसे सबसे अच्छा सौदा मिलेगा, बशर्ते वह तेल प्रतिबंधों के अधीन न हो। रूसी तेल पर कोई प्रतिबंध नहीं है, केवल अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा लगाया गया एक मूल्य सीमा (प्राइस कैप) लागू है, जो तब प्रभावी होता है जब रूसी तेल के परिवहन के लिए पश्चिमी शिपिंग और बीमा सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

रूस अब सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता : आज की स्थिति में रूस भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता है और 35-40 प्रतिशत तक कच्चा तेल भारत को वहीं से मिल रहा है। 2022 में जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था, तब भारत के आयात में रूस की हिस्सेदारी 2 प्रतिशत से भी कम थी। पश्चिमी देशों द्वारा रूस का तेल ठुकराए जाने के बाद, मॉस्को ने इच्छुक खरीदारों को भारी छूट पर तेल देना शुरू किया, जिसका फायदा भारतीय रिफाइनरियों ने उठाया और कुछ ही महीनों में रूस भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया।

अमेरिकी दबाव और अतिरिक्त टैरिफ

भारतीय रिफाइनरियों द्वारा रूसी क्रूड का भारी मात्रा में आयात ट्रंप प्रशासन के लिए एक प्रमुख विवाद का कारण बन गया है। इस महीने की शुरुआत में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के रूसी तेल आयात को दंडित करने के लिए भारतीय सामानों पर पहले से लागू 25 प्रतिशत टैरिफ के अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की। भारत ने रूसी तेल खरीद को लेकर निशाना बनाए जाने को अनुचित और अव्यवहारिक करार दिया है। भारत सरकार का कहना है कि पारंपरिक आपूर्तिकर्ताओं द्वारा तेल को यूरोप की ओर मोड़ दिए जाने के बाद भारत ने रूसी तेल का आयात शुरू किया था। इसके साथ ही, अमेरिका ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों की स्थिरता को मजबूत करने के लिए भारत को रूसी तेल आयात बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया था।

प्रेम प्रसंग से गुस्साए पिता ने बेटी को मार डाला

कलबुर्गी , एजेंसी। कर्नाटक के कलबुर्गी में एक दुखद मामला सामने आया है। यहाँ पर एक पिता ने अपनी बेटी के प्रेम प्रसंग से नाराज होकर उसकी हत्या कर दी। फिर इस हत्या को छिपाने के लिए मृतका के मुंह में कीटनाशक डाल दिया। बाद में इस हत्या को खुदकुशी करार देकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया। स्थानीय पुलिस ने बताया कि यह घटना कुलबर्गी जिले के मेलाकुंडा गांव में हुई है। इस गांव के थाने में इस बात की सूचना मिली थी कि एक 18 वर्षीय लड़की ने आत्महत्या कर ली है और उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया है। कलबुर्गी पुलिस कमिश्नर शरणाप्पा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस गांव में पहुंची और पूछताछ शुरू कर दी। लोगों से मिली जानकारी और सबूतों के आधार पर पुलिस ने पुष्टि की कि पिता अपनी बेटी के दूसरी जाती के युवक के साथ चलते प्रेम प्रसंग के कारण नाराज था।

उसने रिश्तेदारों के जरिए और खुद से भी पहले बेटी को समझाने की कोशिश की, लेकिन बेटी अपने प्रेम प्रसंग को लेकर अड़ी रही। शरणप्पा ने बताया कि पांच बेटियों के पिता को डर था कि अगर उसकी दूसरे नंबर की बेटी का प्रेम प्रसंग किसी दूसरी जाती के युवक के साथ रहा तो उसकी बाकी की तीन बेटियों की शादी में परेशानी होगी।

संक्षिप्त समाचार

बलिया में युवती ने आत्महत्या की

बलिया , एजेंसी। बलिया जिले में फेफना थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवती ने कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि खुशी यादव (19) ने फेफना थाना क्षेत्र में पियरिया गांव स्थित अपने ननिहाल में शुक्रवार की शाम को पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि सुखपुरा थाना में ब्रह्माइन गांव के हरिनारायण यादव की पुत्री खुशी अपने नाना फेफना थाना क्षेत्र के पियरियां गांव निवासी मोहन यादव के यहां रहती थी। उसके माता-पिता अपने गांव ब्रह्माइन रहते थे। फेफना थाना प्रभारी विश्वदीप सिंह ने शनिवार को बताया कि युवती ने फांसी क्यों लगाई, इस मामले की छानबीन की जा रही है।

टैरिफ लगाया जा रहा, पूरे देश में देशभक्ति की भावना प्रज्वलित होनी चाहिए : शिवराज सिंह चौहान

मैसूर, एजेंसी। भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सबके निशाने पर आ गए हैं। भारत में स्वदेशी प्रोडक्ट्स के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल की अपील की जा रही है। इस बीच, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी ऐसी ही अपील करते हुए ट्रंप का बिना नाम लिए उन्हें अधिनायकवादी कह दिया है। उन्होंने कहा है कि आज टैरिफ लगाया जा रहा है, ऐसे में पूरे देश में देशभक्ति की भावना प्रज्वलित होनी चाहिए और स्वदेशी उत्पाद का इस्तेमाल करना चाहिए। शिवराज सिंह चौहान ने कहा, मैं एक निवेदन करना चाहता हूं, विचारधारा के राजनीतिक मतभेद तो हैं, लेकिन राष्ट्रहित के मुद्दों पर पूरे देश को एक साथ खड़ा होना चाहिए। कुछ देशों के नेता अधिनायकवादी जैसा व्यवहार कर रहे हैं, जो पूरी दुनिया के लिए संकट बन गया है। ऐसे में, मैं खड़े होकर यह कहने का साहस करता हूं कि, भौतिकवाद की आग में जलती हुई मानवता को, अगर कोई शाश्वत शांति का मार्ग दिखाएगा, तो वह हमारा भारत, हमारा देश ही होगा। इसके अलावा और कोई रास्ता नहीं है, इसलिए जरूरी है कि हमारा देश मजबूत बने। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, हमारे देश को दुनिया के लिए एक दिशा निर्धारित करने का प्रयास करना चाहिए। इसलिए, मैं आज भारत के सामने मौजूद चुनौतियों के विस्तार में नहीं जाना चाहता, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक अपील की है। आज का ताजा संकट, टैरिफ लगाए जा रहे हैं, ऐसे माहौल में, पूरे देश में देशभक्ति की भावना प्रज्वलित होनी चाहिए। प्रत्येक भारतीय को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने दैनिक जीवन में केवल उन्हीं उत्पादों का उपयोग करेंगे जो हमारे देश में बने हैं। यह जरूरी है कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो। मुझे पूरा विश्वास है कि देशवासी इस दिशा में एक नया इतिहास रचेंगे।

यूपी पुलिस में तैनात सिपाही की पत्नी ने फर्जीवाड़ा कर हड़पी बीएड की छात्रवृत्ति

लखनउ, एजेंसी। यूपी पुलिस में तैनात सिपाही की पत्नी ने फर्जी दस्तावेज लगाकर बीएड की छात्रवृत्ति हड़प ली। इस संबंध में शिकायत की गई और साक्ष्य भी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी और पुलिस को उपलब्ध कराए गए। साक्ष्य आधार पर शिकायत सही पाई गई, जिसके बाद मेरठ कोतवाली में सिपाही की पत्नी पर मुकदमा दर्ज किया गया है। शास्त्रीनगर निवासी एडवोकेट मोहम्मद शाहिद ने जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी और एसएसपी मेरठ को एक शिकायत भेजी। आरोप लगाया कि नंगलाताशी कंकरखेड़ा निवासी रेशमा सैफी ने वर्ष 2022 में मेरठ के ही इस्माइल नेशनल महिला पीजी कॉलेज में बीएड में एडमिशन लिया था। रिकॉर्ड के अनुसार 21 नवंबर 2022 को एडमिशन लिया। 15 सितंबर 2022 को रेशमा का निकाह मोहम्मद आरिफ निवासी खेड़ी-सराय थाना मीरापुर मुजफ्फरनगर के साथ हो चुका था। मोहम्मद आरिफ यूपी पुलिस में कांस्टेबल है और कानपुर में तैनाती है।

धर्मस्थल मामले में बड़ा मोड़, बेटी के लापता होने की शिकायत वापस लेना चाहती हैं सुजाता भट

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के प्रसिद्ध धर्मस्थल मंदिर परिसर से 2003 में अपनी बेटी अनन्या के लापता होने का आरोप लगाने वाली सुजाता भट ने विशेष जांच दल की पूछताछ के दौरान अपनी शिकायत वापस लेने की इच्छा व्यक्त की है। शुक्रवार को हुई पूछताछ में एसआईटी ने सुजाता के बयानों को उनके पहले के दावों से विरोधाभासी पाया, जिसके चलते जांचकर्ताओं का मानना है कि वह सच नहीं बोल रही हैं और कानूनी प्रक्रिया में बाधा डाल रही हैं। पीटीआईकी रिपोर्ट के अनुसार, पूछताछ के दौरान सुजाता दबाव में दिखीं और लंबी पूछताछ का सामना करने में उन्हें कठिनाई हो रही थी। सुजाता ने पहले दावा किया था कि उनकी बेटी का गायब होना एक बड़े षड्यंत्र का हिस्सा था। शुक्रवार को उन्होंने इस कथित षड्यंत्र में शामिल कुछ व्यक्तियों के नाम उजागर किए। हालांकि, स्द्धज्ञ अधिकारियों ने इन खुलासों की पुष्टि नहीं की और कहा कि इनकी सत्यता की जांच की जा रही है।

वाराणसी में बाढ़ पीड़ितों से मिले सीएम योगी, हाल जाना, छोटे बच्चों को चॉकलेट देकर दुलार भी किया

वाराणसी, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराण्सी में जेपी मेहता इंटर कॉलेज में बाढ़ पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचे। उनका हालचाल भी जाना। राहत सामग्री वितरित की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर हाल में बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। उनकी हर बुनियादी जरूरत प्राथमिकता पर पूरी की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिया कि राहत सामग्री वितरण में लापरवाही न हो और हर जरूरतमंद तक सहायता पहुंचनी चाहिए।

बाढ़ राहत शिविर में रह रहे छोटे-छोटे बच्चों को मुख्यमंत्री ने दुलार करते हुए उन्हें चॉकलेट के पैकेट दिए। मुख्यमंत्री के हाथों बच्चे जैसे ही चॉकलेट का पैकेट पाए, खिलखिला उठे। इसके अलावा काशी में होने वाली द्विपक्षीय वार्ता में शामिल होने आ रहे मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम और पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियां की मुख्यमंत्री ने जानकारी ली। इस सम्बंध में अफसरों को तैयारी करने का निर्देश दिया। दो दिनी दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री ने

सर्किट हाउस सभागार में द्विपक्षीय वार्ता की तैयारियों की समीक्षा की। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए कहा कि तैयारी इस तरह की हो कि पूरा विश्व मॉरीशस और भारत की साझा संस्कृति से रूबरू हो। काशी के आतिथ्य की वैश्विक पहचान है। उसी परम्परा के लिहाज से स्वागत होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जी-20 के आयोजनों के दौरान हुई साफ-सफाई, स्वागत और साज-सज्जा जैसी व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि दोनों प्रधानमंत्री काशी से देश के लिए इबारत लिखने वाले हैं। जनप्रतिनिधियों से कहा कि वे स्वागत सहित अन्य कार्यक्रमों में समन्वय बनाकर काम पूर्ण कराएं।

पांडुलिपि संरक्षण में तेजी लाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार की शाम संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के अंतर्गत चल रहे दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण कार्य का जायजा लिया और इसे तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की तरफ से इस काम में हरसंभव मदद का भी भरोसा दिलाया। इस दौरान कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्माकुलसचिव राकेश कुमार, वित्त अधिकारी हरिशंकर मिश्र, प्रो. जितेन्द्र कुमार, प्रो. महेन्द्र पांडेय, विनयाधिकारी प्रो. दिनेश कुमार गर्ग आदि मौजूद थे।

उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद धनखड़ ने दिया पेंशन के लिए आवेदन

कौन-कौन सी सुविधाएं मिलेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व उराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने पद से इस्तीफा देने के बाद अब पेंशन के लिए आवेदन दिया है। उन्होंने यह आवेदन राजस्थान विधानसभा में दायर किया है, जहां वह किशनगढ़ सीट से 1993 से लेकर 1998 तक विधायक रहे थे। सूत्रों और मीडिया रिपोर्ट से मिल रही जानकारी के मुताबिक उन्होंने पेंशन के लिए विधानसभा सचिवालय में आवेदन दिया, जिसपर स्वीकृति की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। तय नियमों और प्रावधानों के मुताबिक उन्हें न्यूनतम 42 हजार रुपये की पेंशन मिलेगी। इसके अतिरिक्त उन्हें पूर्व विधायकों को मिलने वाली सुविधाएं भी प्राप्त होंगी।

आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बनने से पहले जगदीप धनखड़ 1989 से 1991 तक राजस्थान के झुंझनू सीट से लोकसभा सांसद भी रह चुके हैं। उन्हें चंद्रशेखर की सरकार में केंद्री संसदीय कार्य राज्य मंत्री की जिम्मेदारी भी मिली थी। धनखड़ 2019 से लेकर 2022 तक पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे। इस दौरान उनका कार्यकाल सुर्खियों में

बना रहा। अक्सर ममता बनर्जी की सरकार के साथ राजभवन की टकराव की खबरें सामने आती थीं। इसके बाद धनखड़ को केंद्र की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने उपराष्ट्रपति बनाया। वह 2022-25 तक इस पद पर रहे। जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए हाल ही में उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। इस सियासी घटना ने लोगों का ध्यान खींचा। इस्तीफा देने के बाद से धनखड़ न तो किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में और न ही किसी अन्य कार्यक्रम में दिखें हैं। अभी तक उनका कोई बयान भी सामने नहीं आया है।

कहां हैं धनखड़?

पिछले महीने उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा देने वाले जगदीप धनखड़ अपने परिवार के साथ समय बिताने के साथ ही नियमित रूप से योगाभ्यास कर रहे हैं और टेबल टेनिस खेल रहे हैं। अगस्त 2022 में उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने से पहले धनखड़ जब पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे, तब उन्होंने शौकिया टेबल टेनिस खेलना शुरू किया था। धनखड़ की दिनचर्या से वाकिफ लोगों ने बताया कि वह नियमित रूप से योग अभ्यास करते हैं और उपराष्ट्रपति एनक्लेव में अपने शुभचिंतकों व स्टाफ सदस्यों के साथ टेबल टेनिस खेलते हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति की दिनचर्या से अवगत एक व्यक्ति ने बताया, यहां तक कि यात्रा से लौटने के बाद भी वह अपने स्टाफ सदस्यों के साथ टेबल टेनिस खेलते थे। धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके उत्तराधिकारी को चुनने के लिए नौ सितंबर को चुनाव होने हैं।

1991 में फ्रॉड से हराया गया

सिद्धारमैया के बयान से वोट चोरी पर कांग्रेस उलटे घिरी, भाजपा को मौका

बेंगलुरु, एजेंसी। एक तरफ कांग्रेस यह आरोप लगाते हुए सड़कों पर उतरी है कि भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर वोट चोरी कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने ऐसा बयान दिया है, जिससे उनकी पार्टी पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार कहा कि 1991 के लोकसभा चुनाव में फ्रॉड के चलते हार का सामना करना पड़ा था। अब उनके इस बयान पर विवाद हो रहा है क्योंकि तब कांग्रेस की ही सरकार थी और सिद्धारमैया तब जनता दल सेक्युलर के कैंडिडेट थे। वह कोप्पल सीट से चुनाव में उतरे थे। लेकिन उन्हें बसवराज पाटिल के मुकाबले 11,200 वोटों से हार का सामना करना पड़ा था, जो कांग्रेस के कैंडिडेट थे। बसवराज पाटिल को कुल 2.41 लाख वोट मिले थे, जबकि सिद्धारमैया को 2 लाख 30 हजार मत ही मिले थे। उस चुनाव के नतीजे के बाद सिद्धारमैया ने हाई कोर्ट में केस भी दाखिल किया था और आयोग की तरफ से 22,243 वोट खारिज करने पर सवाल उठाया था। उनका कहना था कि यदि इन वोटों को अवैध न घोषित किया जाता तो वह खुद बड़े अंतर से जीत हासिल करते। उनका यह भी कहना था कि बसवराज पाटिल की उम्मीदवारी ही अवैध थी क्योंकि उन्हें लोकसभा स्पीकर ने दलबदल के चलते अयोग्य घोषित किया था। उनका कहना था कि बसवराज पाटिल को हमेशा के लिए अयोग्य घोषित किया गया था। ऐसे में वह फिर से चुनाव कैसे लड़ सकते हैं। उन्होंने कर्नाटक के पूर्व एडवोकेट जनरल रवि वर्मा कुमार के सम्मान समारोह में कहा, मैं रवि वर्मा से उस समय लीगल सलाह मांगी थी, जब मुझे कानूनी समस्याएं झेलनी पड़ी थीं।

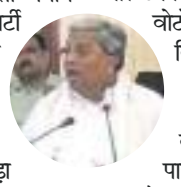

सरकारी नहीं है मंदिर का पैसा, केवल देवता का अधिकार, हाई कोर्ट का तमिलनाडु सरकार को झटका

चेन्नई, एजेंसी। मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को झटका दिया है। कोर्ट की तरफ से कहा गया कि भक्तों द्वारा मंदिर को दान किया गया धन केवल देवता का है। ऐसे में इसका इस्तेमाल केवल मंदिर के किसी काम के लिए या फिर धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए। इस फैसले के साथ ही हाई कोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा 2023 से 2025 के बीच जारी किए गए उन 5 आदेशों को भी रद्द कर दिया, जिनमें मंदिर के धन का उपयोग करके विवाह मंडपों का निर्माण करने को कहा गया था। मंदिर की संपत्ति और धन को सरकार द्वारा व्यावसायिक रूप से उपयोग करने के खिलाफ दायर याचिका में याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि सरकार के पास मंदिर के धन का उपयोग करने का कोई अधिकार नहीं है। याचिकाकर्ता का तर्क था कि सरकार ने जिन विवाह भवनों का निर्माण मंदिर के पैसे से करवाना चाहती है उसका कोई धार्मिक उद्देश्य नहीं है, क्योंकि इन्हें किराए पर दिया जा रहा है।

मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ के न्यायमूर्ति एस.एम सुब्रहमण्यम और न्यायमूर्ति जी. अरुल मुरुगन की बेंच ने इस सप्ताह की शुरुआत में यह आदेश पारित किया। पीठ ने कहा कि तमिल नाडु सरकार मंदिर के संसाधनों का उपयोग केवल मंदिरों के रखरखाव और विकास तथा उससे जुड़ी धार्मिक गतिविधियों पर करने के लिए बाध्य है। इसका उपयोग व्यावसायिक रूप से नहीं किया जा सकता।

हिंदू विवाह एक संस्कार, धार्मिक उद्देश्य नहीं: मद्रास हाईकोर्ट : राज्य सरकार की तरफ से वकील वीरा कथिरावन ने तर्क दिया कि मंदिर के धन का उपयोग समाज के लिए ही किया जा रहा है। जिन भवनों का निर्माण किया गया है, उनमें धार्मिक रीति-रिवाजों के तहत किए जाने वाले हिंदू विवाह को ही अनुमित दी जाएगी। राज्य ने अदालत को आगे बताया कि अभी तक कोई पैसा जारी नहीं किया गया है और सभी प्रस्तावित निर्माण कार्यों के लिए आवश्यक अनुमति प्राप्त की जाएगी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने राज्य के इस तर्क को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इसने माना कि हिंदू विवाह को एक संस्कार माना जाता है, लेकिन हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत इसमें संविदात्मक तत्व भी शामिल हैं।

संपत्ति पर देवता का अधिकार : हाई कोर्ट

कोर्ट ने कहा, भक्तों द्वारा मंदिर या देवता को दान की गई चल और अचल संपत्ति पर देवता का अधिकार होता है। ऐसे में इसका उपयोग केवल मंदिरों में उत्सव मनाने के लिए या मंदिर के रखरखाव के लिए या विकास के लिए इसका उपयोग किया जा सका है। मंदिर के पैसे को सार्वजनिक पैसा या सरकारी पैसा नहीं माना जा सकता। यह पैसा हिंदू धार्मिक लोगों द्वारा दिया जाता है, यह उनके धार्मिक रीति-रिवाजों, प्रथाओं या विचारधाराओं के प्रति उनके भावनात्मक और आध्यात्मिक लगाव के कारण दिया गया है। अपने इस आदेश के साथ ही अदालत ने चेतावनी भी दी कि मंदिर के धन को स्पष्ट रूस से अनुमति प्राप्त उद्देश्यों के लिए ही खर्च किया जाना चाहिए। अनुमति का दायरा बढ़ाने का प्रयास किया जाता है तो फिर इस धन के दुरुपयोग और गबन का रास्ता खुल जाएगा। अदालत ने कहा कि इस तरह का दुरुपयोग मंदिर के संसाधनों का दुरुपयोग होगा और हिंदू श्रद्धालुओं के धार्मिक अधिकारों का भी उल्लंघन होगा, जो आस्था के साथ मंदिरों में दान करते हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)